जयपुर, अलवर एवं भरतपुर से एक साथ प्रकाशित दैनिक

अरुणप्रभा

केन्द्र व राज्य से विज्ञापनों के लिए मान्य

अभिनव हिन्दी दैनिक

■ अलवर ■ खैरथल
■ कोटकासिम ■ गोविन्दगढ़
■ बहरोड़ ■ भिवाड़ी
■ राजगढ़ ■ बानसूर
■ मालाखेड़ा
■ किशनगढ़बास
■ रामगढ़ ■ थानागाजी

अलवर के प्रवीण प्रजापत करेंगे चार देशों में भारत का प्रतिनिधित्व

अलवर (का.सं.)। अंतर्राष्ट्रीय कलाकार प्रवीण प्रजापत अमेरिका ब्रिटेन इटली व तुर्की में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रवीण 17 से 22 फरवरी तक इटली में अपनी प्रस्तुति देंगे। इटली में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा बुलाया गया है। प्रवीण के साथ छोटेलाल उर्फ झुमरू राजस्थानी एवं भपंग वादक जाकिर खान भी उनके साथ जाएंगे। वहीं 22 फरवरी से 1 मार्च तक वह अपनी प्रस्तुति अमेरिका (कैलिफोर्निया) लंदन (ब्रिटेन) तुर्की में देंगे। प्रवीण प्रजापत पहले भी अमेरिका जाकर विश्व के सबसे बड़े टैलेंट शो अमेरिका एस गोट टैलेंट में अपना प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, जहां उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन मिला। प्रवीण मनी टीवी पर नेशनल शो इंडिया एस गोट टैलेंट में अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं जहां उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन मिला। उनकी प्रस्तुति देख बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी उनके साथ नृत्य करने लगी और बॉलीवुड सिंगर बादशाह ने अपने वाले एल्बम में काम करने का मौका मिला दिया।

arunprabha28@gmail.com ■ अलवर, सोमवार, 17 फरवरी 2025 ■ वर्ष 44 ■ अंक 224 ■ पृष्ठ 6 ■ मूल्य 1.50 रुपये arunprabha01@yahoo.com

जिले में एक समान विकास कार्य होंगे: भूपेन्द्र यादव

अलवर (का.सं.)

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव तिजारा पहुंचे, जहां उन्होंने बिछाला गांव में धन्यवाद कार्यक्रम में शिरकत की और लोकसभा चुनाव में लोगों के द्वारा दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके साथ ही मंत्री ने क्षेत्र में एक समान रूप से विकास करवाने का आश्वासन दिया। उनके साथ जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, पूर्व विधायक रामहेत यादव, एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी पूर्व विधायक मामनसिंह यादव, इंद्र यादव मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान सड़क निर्माण के लिए बजट देने पर ग्रामीणों ने मंत्री भूपेंद्र यादव का आभार जताया। केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री से मिला ओर राज्य के आने वाले बजट पर चर्चा की, बजट में अलवर जिले का बजट में पूरा ध्यान रखा जाएगा, इसके अलावा विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास करने के लिए अलवर सीएम भजनलाल को बुलाया जाएगा। उन्होंने कहा केंद्र का शानदार बजट आया है और आज दुनिया में भारत का बड़ा नाम भी हुआ है , अभी मोदीजी अमेरिका गए जहां अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने मोदी का स्वागत किया नई योजनाएं बनाई जाएगी, इलाके में विकास के लिए वह पूरी तरह प्रयासरत है। उन्होंने कहा विकास केवल पत्थर का नहीं आने वाली पीढ़ी का विकास होना चाहिए । उन्होंने कहा कि दो मूवमेंट शुरू किए पहला अलवर सांसद खेल उत्सव और दूसरा ई-लाइब्रेरी ई-लाइब्रेरी का राज्यपाल ओम माथुर को बुलाकर शुरुआत कराई जाएगी।

देश की प्रगति में पूर्व सैनिकों का महत्वपूर्ण योगदान: भूपेंद्र यादव

पूर्व सैनिक लीग की तरफ से केन्द्रीय मंत्री का किया स्वागत

केंद्रीय मंत्री ने सैनिक कैंटीन की सौगात का दिया आश्वासन

कोटकासिम (नि.सं.)

रविवार को रेवाड़ी रोड़ स्थित सैनिक विश्राम गृह के भवन में पूर्व सैनिक लीग कोटकासिम की तरफ से केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का स्वागत सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व सैनिक लीग के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर एवं पूर्व विधायक रामहेत यादव का साफा व माला से जोरदार स्वागत किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश की प्रगति में पूर्व सैनिकों का बहुत बड़ा योगदान है। सैनिकों की वजह से ही पूरे देश की जनता सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा वन रैंक पेंशन जैसी वर्षो पुरानी मांग को पूरा करने के साथ सैनिकों को उनका हक दिलाने का कार्य किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने सैनिक विश्राम गृह भवन का बेहतर उपयोग करते हुए इसका इस्तेमाल कोचिंग क्लासेज, सिविल सेवा की तैयारी तथा शारीरिक गतिविधियों के लिए भी किया जाना चाहिए। उन्होंने पूर्व सैनिकों से युवाओं का मार्गदर्शन करने की अपील की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने पूर्व सैनिकों की मांग पर कोटकासिम में शीघ्र ही सैनिक कैंटीन खोलने के साथ ही सैनिक विश्राम गृह भवन में दूसरी मंजिल के निर्माण का आश्वासन दिया।

धन्यवाद कार्यक्रम में भाग लेकर जताया ग्रामीणों का अभार

रविवार को सुबह करीब 9 बजे केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने सबसे पहले क्षेत्र के गावों में धन्यवाद कार्यक्रम में भाग लेकर ग्रामीणों का आभार जताया। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के गांव जौडिया एवं बिछाला गांवों में धन्यवाद कार्यक्रम में मौजूद रहकर केंद्रीय मंत्री लोकसभा में भारी समर्थन के लिए ग्रामीणों का अभार जताया। वही ग्रामीणों ने केंद्रीय मंत्री का जगह-जगह माला एवं साफा से स्वागत किया। वहीं केंद्रीय मंत्री का कोटकासिम आगमन पर मंडल अध्यक्ष यशपाल उर्फ श्योलू शर्मा के नेतृत्व में कोटकासिम भाजपा कार्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ काफी संख्या में ग्रामीणों ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का फूल मालाओं एवं साफे से जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व सैनिक लीग के अध्यक्ष धर्मवीर चौधरी, कोटकासिम नगर पालिका चैयरमेन ओमप्रकाश सैनी, पंचायत समिति सदस्य शीला चौधरी, दिनेश यादव, वेदप्रकाश शर्मा, सुरेन्द्र जांगिड, कैलाश यादव, दयाराम सरपंच, ओमप्रकाश सरपंच, रामनिवास यादव, प्रवीण यादव, संजय यादव सहित काफी संख्या में पूर्व सैनिक लीग के पदाधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहें।

सार-समाचार

शराब के नशे में महिला से छेड़छाड़ करने एवं दहशत उद्देश्य से फायरिंग के फरार आरोपी दबोचे

अलवर (का.सं.)। रामगढ़ क्षेत्र के नौगांवा थाना पुलिस ने रविवार को अलवर के एनईवी थाना क्षेत्र में सनसनी वारदात को अंजाम देने वाले दो शातिर बदमाशों को पकड़ने में सफलता हासिल की है । शमशेर उर्फ बच्ची पुत्र महेंद्र रायसिख, निवासी अलापुर अकबरपुर हाल निवासी पंचायत घर के पास नौगांवा, अमीरीसिंह उर्फ अमीरी पुत्र जगमोहनसिंह निवासी जहानपुर गोविंदगढ़ दोनों आरोपियों के कब्जे से दो अवैध देसी कट्टा 315 बोर व एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त एक बाइक और एक चोरी की बाइक दो बाइक बरामद की है । थाना अधिकारी अजीत बड़सरा ने बताया कि अलवर के एनईबी थाना क्षेत्र में बदमाशों द्वारा महिला के साथ छेड़छाड़ और फायरिंग की सनसनी घटना सामने आई थी । पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार घटना को लेकर थाना स्तर पर स्पेशल टीम का गठन किया गया । वीडियो के आधार पर तीन बदमाशों की पहचान की गई थी तो पुलिस को सूचना मिली कि शातिर बदमाश बाइक चोरी करने के उद्देश्य से इकट्ठा हो रहे हैं। अलग-अलग टीमों का गठन कर दोनों आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार किया । आरोपियों के कब्जे से दो देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस और घटना में प्रयुक्त एक बाइक और उसके अलावा चोरी की एक अन्य बाइक भी बरामद हुई है । आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि शराब के नशे में आरोपी बाइक चोरी का कार्य करते हैं । घटना वाले दिन बाइक चोरी करने के लिए आए थे और शराब के नशे में महिला से छेड़छाड़ की और मौके पर लोगों ने उनको पकड़ने का प्रयास किया तो उन्होंने फायरिंग कर दहशत बनाने की कोशिश की और मौके से फरार हो गए। इसमें तीसरा आरोपी नाबालिग है, दो आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं । दोनों आरोपियों के खिलाफ राजस्थान सहित अन्य प्रदेशों में भी बाइक चोरी व अन्य गंभीर मामले दर्ज है। पुलिस इस मामले में आरोपियों से हर एंगल से जांच कर रही है और भी खुलासा होने की संभावना है।

फूड डिलवेरी ब्यॉय से मारपीट एवं लूट के दो आरोपी दबोचे, एक निरूद्ध

अलवर (का.सं.)। सदर थाना क्षेत्र में जोमैटो कर्मचारी के साथ मारपीट और लूट के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर दो नाबालिग को निरुद्ध किया है। थाने के सहायक उप निरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि 9 जनवरी को एक युवक ने लूट और मारपीट का मामला दर्ज कराते हुए बताया कि सदर थाना क्षेत्र में पांच आरोपियों द्वारा उसके साथ लूट की गई, जिसमें उसके जोमैटो बैग में रखा सामान, मोबाइल और पैसे लूट कर फरार हो गए, जिसमें पुलिस ने 14 जनवरी को दो नाबालिगों को निरुद्ध किया, वहीं दो मुख्य आरोपी अंकित और पवन को गिरफ्तार किया है, जबकि शेष आरोपी जिसके पास मोबाइल है उसकी तलाश की जा रही है, जिसको लेकर दोनों आरोपी अंकित और पवन को पीसी रिमांड पर लिया जा रहा है।

गैंगस्टर राहुल बॉक्सर को फॉलो करने वाले तीन युवक गिरफ्तार

नारायणपुर (नि.सं.)। पुलिस ने अपराधियों की सोशल मीडिया गतिविधियों पर कड़ी नजर रखते हुए रविवार को बड़ी कार्रवाई की है। गैंगस्टर राहुल यादव उर्फ राहुल बॉक्सर को सोशल मीडिया पर फॉलो करने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है। थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा ने बताया कि पुलिस की साइबर सेल को सूचना मिली थी कि कुछ युवक गैंगस्टर की पोस्ट पर लाइक और कमेंट कर रहे हैं। जांच के बाद पुलिस ने तनुज (24) पुत्र मोहन लाल, कुलदीप (21) पुत्र रघुवीर और सचिन (18) पुत्र अमर सिंह को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार गैंगस्टर सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को प्रभावित कर रहे हैं। अपराधी फेसबुक, इंस्टाग्राम और टेलीग्राम पर सक्रिय रहते हैं और अपने समर्थकों से जुड़े रहते हैं। पुलिस लगातार ऐसे अकाउंट्स पर नजर रख रही है और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

चोरों ने एक ही रात में दो दुकानों को बनाया निशाना

बहरोड़ (नि.सं.)। क्षेत्र के गूँती गांव में बीती रात्रि शनिवार को देर रात्रि को गांव की परचून व ईमित्र दुकान को निशाना बनाया। जानकारी के अनुसार गांव की चौपाल में स्थित ईमित्र संचालक नरेंद्र यादव अपनी दुकान शनिवार शाम को बंद करके अपने घर चला गया था, देर रात्रि किसी परिचित ने कॉल के माध्यम से दुकान का शटर टूटे हुए की जानकारी दी गई। सूचना के बाद दुकान पर पहुँचा तो शटर टूटा है समान बिखरा हुआ मिला व समान सुरक्षित मिला। वहीं गूँती फ्लाईओवर के पास स्थित परचून की दुकान का भी शटर तोड़ने का प्रयास किया। शटर तोड़ने में असफल रहे चोरों ने पास दूसरी दुकान का ताला काटकर उसमे रखे गैस सिलेंडर चोर ले गए।

वन मंत्री के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में जिलेभर में समर्थकों ने लगाए 1857 पौधे

मंत्री शर्मा ने परिवार के साथ लगाई महाकुंभ में आस्था की डुबकी

अलवर (का.सं.)

पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा के 56वें जन्मदिन के अवसर पर आज उनके समर्थकों द्वारा जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर मंत्री शर्मा का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया। मंत्री शर्मा ने जन्मदिवस को हर्षोल्लास से मनाए जाने पर कार्यकर्ताओं, समर्थकों सहित सभी जिलेवासियों का आभार व्यक्त किया।

महाकुंभ में पवित्र स्नान कर लगाई आस्था की डुबकी

वन मंत्री संजय शर्मा ने अपने जन्मदिन पर अपने परिवार के साथ प्रयागराज में महाकुंभ में संगम घाट पर पवित्र स्नान कर आस्था की डुबकी लगाकर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि महाकुंभ सनातन सभ्यता, संस्कृति, दर्शन और हमारी शाश्वत परम्पराओं की जीवंतता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मां गंगा, यमुना और सरस्वती की दिव्य धाराओं के संगम में सपरिवार आस्था की डुबकी लगाना मेरा असीम सौभाग्य है। इस दौरान मंत्री श्री शर्मा ने अपने प्रतिदन एक पौधा लगाने के संकल्प के तहत प्रयागराज के सर्किट हाउस में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान संदीप दायमा भी मौजूद रहे।

जन्मदिन के उपलक्ष्य में जिले में लगाए 1857 पौधे

पं.जले सिंह एवं दिनेश गुप्ता की अगुवाई में अलवर शहर में विभिन्न स्थनों पर बडी संख्या में समर्थकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड मां के नाम अभियान एवं वन मंत्री संजय शर्मा के एक पौधा प्रतिदिन लगाने के संकल्प से प्रेरित होकर जिलेभर 1857 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मंत्री शर्मा के जन्मदिवस के कार्यक्रमों की शुरूआत नवीन स्कूल में आयोजित कार्यक्रम से हुई जहां 311 पौधे ट्री गार्ड सहित लगाकर पौधेरोपण कार्यक्रम की शुरुआत की। कठूमर विधायक रमेश खिंची की अगुवाई में खेडली व थानागाजी, राजगढ, रैणी, किशनगढबास सहित जिलेभर में कार्यक्रताओं एवं समर्थकों ने मंत्री शर्मा के जन्मदिवस पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान समर्थकों ने कहा कि वन मंत्री शर्मा के 'एक पेड़ प्रतिदिन' अभियान से आमजन को प्रकृति के संरक्षण की प्रेरणा मिल रही है।

मरीजों को किये फल वितरित

सुमन चौधरी की अगुवाई में महिला चिकित्सा एवं राहुल गर्ग की अगुवाई में सामान्य चिकित्सालय व सेटेलाइट हॉस्पिटल कालाकुआं में कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने मरीजों व आमजन को फल वितरण किए। इसी प्रकार गौशाला में गौ सवामणी कर गाय माता को चारा खिलाया तथा जरूतमंदों को भोजन कराकर मंत्री शर्मा का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया। इस दौरान विजन संस्थान द्वारा बिजली घर चौराहे पर मंत्री शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर गरीबों व जरूरतमंदों को भोजन कराकर उनका जन्मदिन मनाया।

पुलिस रिमांड पर चल रहे दो आरोपियों को जेल भेजा

नारायणपुर (नि.सं.)।

नारायणपुर पुलिस ने रविवार को दो अलग-अलग मामलों में रिमांड पर चल रहे आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीजेपी नेता यासीन खान की हत्या के मामले में आरोपी दिलावर (48) पुत्र इस्माइल खान निवासी बेलाका अलवर को एक दिन की पुलिस रिमांड के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। वहीं, डकैती के एक अन्य मामले में आरोपी अंकित गुर्जर पुत्र भोमाराम गुर्जर, निवासी लूजोता, महेंद्रगढ़ (हरियाणा) को दो दिन की पुलिस रिमांड होने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अदालत ने उसे भी न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए। नारायणपुर पुलिस ने दोनों मामलों में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आरोपियों को जेल भेज दिया है।

श्याम बाबा की शोभायात्रा निकली, जागरण आज

अलवर (का.सं.)

ब्रह्मचारी मोहल्ला स्थित श्याम मंदिर में 5 दिवसीय श्याम मेले का आयोजन किया जाएगा। संजय जैन ने बताया कि मेले के तीसरे दिन रविवार को ब्रह्मचारी मोहल्ला स्थित श्याम मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा अशोका टॉकीज, त्रिपोलिया, होप सर्कस, घंटाघर सहित प्रमुख मार्गों से होती हुई वापस ब्रह्मचारी मोहल्ला स्थित श्याम मंदिर पहुंची। शोभायात्रा में श्रद्धालु हाथों में ध्वजा लेकर श्याम नाम के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा में बाबा श्याम पालकी में सवार थे। 17 फरवरी को शाम 7 बजे श्याम मंदिर में श्याम बाबा का जागरण होगा, जिसमें जयपुर से महेंद्र स्वामी, रेवाड़ी से जॉनी मौला, और अलवर से महेंद्र अमन, संजय शर्मा, कमल कन्हा, अमित शर्मा श्याम बाबा के भजन प्रस्तुत करेंगे। जागरण में अलवर के विनोद म्यूजिकल ग्रुप द्वारा संगीत की मधुर स्वर लहरिया बिखरी जाएगी। 18 फरवरी मंगलवार को दोपहर 12 बजे प्रसाद वितरण होगा। इसी के साथ पांच दिवसीय कार्यक्रम का समापन होगा

फार्मर रजिस्ट्री शिविर में अब तक बनी 18382 किसानों की फार्मर आईडी

अलवर (का.सं.)। एग्रीस्टैक योजना के तहत किसानों को सशक्त करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे किसान रजिस्ट्री शिविर में आज जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित हुए जिसमें अब तक 18382 किसानों की आईडी बनाई गई एवं 19469 किसान केवाईसी तथा 18382 किसान भूमि सत्यापन किए गए। इस दौरान उपस्थित किसानों को केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभांवित कराया गया। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि किसान रजिस्ट्री शिविरों में अब तक जिले की तहसील क्षेत्रों में 18382 किसानों की आईडी बनाई गई तथा अलवर जिले में जिला प्रशासन द्वारा नवाचार करते हुए इन शिविरों में केंद्र व राज्य सरकार की अन्य योजनाओं का लाभ भी किसानों को दिया जा रहा है जिसके तहत उक्त शिविरों में 5688 आयुष्मान कार्ड बनाए गए, 377 पीएम सूर्यघर बिजली, 1327 लोगों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन का भौतिक सत्यापन, 628 मृदा कार्ड वितरित किए गए, 1095 फसल बीमा वितरण, 3436 मंगला पशु बीमा व 549 किसान क्रेडिट कार्ड वितरण, 2585 नरेगा फार्म भराए गए, 210 जन्म-मृत्य प्रमाण पत्र बनाए गए, 430 पीएम आवास योजना रजिस्ट्रेशन, 151 किसान कार्ड वितरण व अन्य, 277 प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, 179 प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना एवं 73 अटल बीमा पेंशन योजना से जोड़ कर आमजन को लाभांवित किया गया।

बढ़ती तस्करी की घटनाओं से बदनाम हुए मेवात में मेव समाज ने गायों का पालन किया कम

अलवर (का.सं.)

गो तस्करी के लिए पूरी दुनिया में बदनाम हो चुके अलवर में अब मुस्लिम परिवार गो पालन का काम कम करते जा रहे हैं । अलवर में सबसे पहले मोब लिंचिंग का मामला सामने आया। अब तक छह मोब लिंचिंग की घटनाएं हो चुकी है। इसी के चलते अब मेवात के मुस्लिम परिवार गोपालन का काम छोड़ने लगे हैं। चुनिंदा गोतस्करों के चलते मुस्लिम समाज बदनाम हुआ है। इसका सीधा असर राजस्थान में रहने वाले मेवात के लोगों पर पड रहा है। हालांकि गौतस्करी की घटनाएं इलाके में लगातार बढ़ती जा रही है। ज्यादातर गो तस्करी दौसा इलाके की तरफ से होती है, लेकिन गायों को कटने ओर बाहर जाने से रोकने का काम अलवर में ज्यादा होता है। पुलिस और गोरक्षक दल अलवर में ज्यादा सक्रिय है। हालांकि पुलिस ने कई गो रक्षक चौकियां खोल रखी है। अलवर के कई गांव ऐसे हैं, जहां आज भी मुस्लिम परिवार गो पालन करते हैं। सालों से उनके दादा व पड दादा गाय पालन करके अपना जीवन यापन करते हैं। लेकिन आए दिन होने वाली गो तस्करी व मोब लिंचिंग की घटनाओं के चलते ग्रामीण गायों का पालन कम करने लगे हैं। राजस्थान हरियाणा सीमा स्थित अलवर के नौगांव क्षेत्र के नांगलीवाल गांव में रहने वाले मजीद खान ने बताया कि उनके दादा व उनके पुरखे सालों से गाय पालन का काम करते हैं। लेकिन अब गाय पालने में मुश्किल होती है। पहले उनके पास 100 से ज्यादा गाय थी, लेकिन अब केवल 30 गए बची है। गाय को जब भी वो कहीं लेकर जाते हैं या लाते हैं तो उसके लिए उनको पूरे कागजात बनवाने पड़ते हैं। आए दिन उन पर आरोप लगाते हैं। गांव के ही रहने वाले इमरान खान ने बताया कि वो कुछ साल पहले तक गाय पालते थे। लेकिन अब उन्होंने गाय रखना बंद कर दिया है, क्योंकि इस दौरान उनको कई तरह की दिक्कत होती हैं। कई बार गौतस्करी के आरोप भी लग चुके हैं, ऐसे में बदनामी से बचने के लिए गायों को पालना बंद कर दिया। अलवर के तिजारा, किशनगढ़बास, रामगढ़, गोविंदगढ़ व नौगांव क्षेत्र में बड़ी संख्या में ऐसे किसान हैं जो गाय का दूध बेचकर अपना जीवन यापन करते हैं, लेकिन कुछ चुनिंदा गौतस्करों के कारण मेव समाज के लोग परेशान हैं। लोगों ने कहा कि गो तस्करों को सजा मिलनी चाहिए, लेकिन कुछ गलत लोगों के कारण और लोग भी परेशान होते हैं। अलवर के नंगलीवाल गांव में करीब 200 परिवार हैं। इसमें डेढ़ सौ के आसपास मुस्लिम परिवार हैं। ज्यादातर गाय पालन करते हैं और गाय का दूध बेचकर अपने बच्चों का पेट भरते हैं। हरियाणा सीमा पर होने के कारण इन गांवों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

अलवर में होती है खुलेआम गो तस्करी

अलवर भरतपुर क्षेत्र को तस्करी के लिए पूरे देश दुनिया में बदनाम है तस्कर खुलेआम यहां से गायों की तस्करी करते हैं तथा हरियाणा लेकर जाते हैं। अलवर जिले में हर महीने गो तस्करी के करीब एक दर्जन से ज्यादा मामले सामने आते हैं लेकिन पुलिस के सभी प्रयासों के बाद भी खुलेआम को तस्करी जारी है।

अब तक हो चुकी है 6 मोब लिंचिंग की घटनाएं

अलवर जिले में अब तक 6 मोब लिचिंग की घटनाएं हो चुकी हैं। जिसमें 3 अप्रैल 2017 को अलवर के बहरोड़ में मेवात जिले के नूंह के जयसिंहपुर निवासी पहलू खां (50) को पीट पीट कर मौत के घाट उतार दिया था। 9 नवंबर 2017 को रात गोविंदगढ़ थाना इलाके में उमर खान नाम के व्यक्ति की पिटाई के बाद गोली मारकर हत्या कर दी थी। 23 दिसम्बर 2017 को अलवर जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र में एक बार फिर गोवंश ले जा रहे एक युवक की 40-50 लोगों ने पिटाई की थी। 20 जुलाई 2018 को अलवर के रामगढ़ इलाके में गो तस्करी के शक में भीड़ ने अकबर पर हमला बोल दिया था। बाद में अकबर की मौत हो गई थी। अगस्त 2019 में शाहजहांपुर थाना क्षेत्र में मॉब लिंचिंग की घटना सामने आई थी। शाहजहांपुर क्षेत्र के खुसा की ढाणी में देर रात भीड़ ने एक गोतस्कर की जमकर पिटाई कर दी थी। 15 सितंबर 2021 को 19 वर्षीय योगेश बाइक से अपने गांव भटपुरा जा रहा था। इस दौरान एक बालिका उसकी बाइक से टकरा गई थी। इस पर समाज विशेष के लोगों ने योगेश को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया था।

विवादास्पद रन आउट से बवाल

मुंबई की हार के बाद एडवर्ड्स ने अंपायरिंग पर उठाए सवाल

वड़ोदरा (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस की कोच चार्लोट एडवर्ड्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उनकी टीम की आखिरी गेंद पर दो विकेट से हार में बड़ी भूमिका निभाने वाले विवादास्पद रन आउट फैसलों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इस तरह के निर्णय को समझना वास्तव में मुश्किल है जो मैच के अंतिम परिणाम को प्रभावित करते हैं। रन आउट के तीन विवादास्पद फैसले मुंबई इंडियंस के खिलाफ गए जिसका फायदा उठाकर दिल्ली जीत हासिल करने में सफल रही।

तीसरी अंपायर गायत्री वेणुगोपालन ने दिल्ली की तीन बल्लेबाजों राधा यादव, अरुंधति रेड्डी और शिखा पांडे को गिल्लियों की लाइट जलने के बावजूद नॉट आउट करार दिया। तीसरे अंपायर के इन फैसलों ने आखिर में मैच के परिणाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुंबई की करीबी हार के बाद इंग्लैंड की दो बार की विश्व कप विजेता कप्तान एडवर्ड्स ने कहा, 'आपको काफी शांत रहना होगा।

जब अधिकतर फैसलों के लिए तीसरे अंपायर की मदद ली जाती है तो वास्तव में यह काफी मुश्किल होता है। तब मैच का परिणाम बड़ी स्क्रीन पर नजर आता है। उन्होंने कहा, 'इसे पचा पाना वास्तव में मुश्किल है लेकिन मैं लंबे समय से इस खेल से जुड़ी हूं और जानती हूं कि यह खेल का हिस्सा है। इसलिए हमें बस आगे बढ़ना है। हमारी निगाह मंगलवार को होने वाले मैच पर हैं।

भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज ने भी मैच की कमेंट्री करते हुए कहा था कि अरुंधति और राधा यादव के मामले में फैसला मुंबई के पक्ष में जाना चाहिए था। आरसीबी के पूर्व क्रिकेट निदेशक माइक हेसन ने भी अंपायर के फैसले पर अविश्वास जताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'मुझे नहीं पता कि अंपायर ने यह फैसला क्यों दिया क्योंकि एक बार गिल्लियों की लाइट जलने के बाद अगर संपर्क टूट जाता है तो बल्लेबाज को आउट माना जाता है।

ब्राइटन के खिलाफ चेल्सी की 0-3 से हार के बाद मारेस्का ने बताया इसे सबसे खराब प्रदर्शन

ब्राइटन, एजेंसी। चेल्सी के मैनेजर एंजो मारेस्का ने अपनी टीम की हार पर नाराजगी व्यक्त की है। उनकी टीम को शुक्रवार को ब्राइटन एंड होव एल्बियन के खिलाफ 0-3 की करारी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने इसे अपनी टीम का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन बताया। चेल्सी पूरे मैच में एक भी सही शॉट नहीं लगा सकी और कोई गोल नहीं हुआ। इस मैच में ब्राइटन के काओरू मितोमा ने शानदार गोल कर स्कोरिंग की शुरुआत की। इसके बाद यानकुबा मिन्टेह ने दो और गोल दागे और ब्राइटन ने आसानी से जीत हासिल कर ली। चेल्सी पूरे मैच में आक्रामक खेल नहीं दिखा पाई।मारेस्का ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, जब से मैं आया हूं, यह सबसे खराब प्रदर्शन है, खासकर ऐसे समय में जब हम अच्छे स्थान पर थे। हम लीग में चौथे स्थान पर हैं और अगर हम यह मैच जीतते, तो तीसरे स्थान से सिर्फ एक अंक दूर होते और बाकी टीमों से फासला बढ़ा सकते थे। लेकिन हमने जिस तरह का खेल दिखाया, वह बिल्कुल भी सही नहीं था। हम इस हार से बहुत दुखी हैं और प्रशंसकों से माफी चाहते हैं।कई अहम अटैकिंग खिलाड़ी चोट के कारण नहीं खेल रहे थे, जिससे टीम और कमजोर दिखी। 45 वर्षीय इटालियन कोच ने कहा, पहले 30 मिनट तक हमने अच्छा नियंत्रण रखा, लेकिन मितोमा का गोल होने के बाद हम जल्दी मौके देने लगे और खुद अच्छे मौके बना नहीं पाए। इसकी एक वजह हमारे स्ट्राइकरों की चोटें हैं... कई अहम खिलाड़ी बाहर हैं, लेकिन हमें इसका समाधान खोजना होगा।मारेस्का ने क्रिस्टोफर नकुंकू को मुख्य स्ट्राइकर के रूप में उतारा और कोल पामर को उनके पीछे रखा, लेकिन दोनों ब्राइटन के डिफेंस के लिए कोई खास खतरा नहीं बने। हार के बाद मारेस्का निराश थे, क्योंकि अब उन्हें लंदन लौटना था। उन्होंने कहा, यह मेरे आने के बाद का सबसे खराब समय है, लेकिन हम अब भी अच्छी स्थिति में हैं और हमें सीजन को अच्छे तरीके से खत्म करना होगा।

तिराना टूर्नामेंट से बाहर रह सकते हैं भारतीय पहलवान, मंत्रालय-महासंघ ने एक-दूसरे पर फोड़ा ठीकरा

नई दिल्ली, एजेंसी। मंत्रालय ने दिसंबर 2023 को डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था लेकिन अंतरराष्ट्रीय कुश्ती से उसे मान्यता मिली हुई है। उसने 30 जनवरी को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को प्रस्ताव भेजा था।भारतीय पहलवान अल्बानिया में वर्ष की दूसरी रैंकिंग सीरिज से बाहर रहेंगे चूंकि खेल मंत्रालय ने यह कहकर मंजूरी रोक दी कि भारतीय कुश्ती महासंघ ने समय पर जरूरी अनुशंसा जमा नहीं की जबकि महासंघ ने इस आरोप को खारिज किया। मंत्रालय और निलंबित डब्ल्यूएफआई के बीच मतभेदों के चलते भारतीय पहलवान क्रोएशिया के जगरेब में पहली रैंकिंग सीरिज से बाहर रह चुके हैं। दूसरा रैंकिंग सीरिज टूर्नामेंट 26 फरवरी से दो मार्च तक अल्बानिया में होगा। मंत्रालय ने दिसंबर 2023 को डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था लेकिन अंतरराष्ट्रीय कुश्ती से उसे मान्यता मिली हुई है। उसने 30 जनवरी को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को प्रस्ताव भेजा था। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, डब्ल्यूएफआई ने ऐन मौके पर प्रस्ताव भेजा और प्रस्तावित नाम भेजने में भी विलंब हुआ। इसलिए मंजूरी नहीं दी जा सकी।वहीं महासंघ के एक अधिकारी ने कहा, हमने 30 जनवरी को प्रस्ताव भेजा और अगले दिन जवाब आ गया।

महिला प्रीमियर लीग

विजय अभियान जारी रखने उतरेंगे दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

वडोदरा (एजेंसी)। अपने पहले मैच में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करने वाले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स महिला प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां जब आमने-सामने होंगे तो उनका लक्ष्य अपना विजय अभियान जारी रखना होगा। मौजूदा चैंपियन आरसीबी ने टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में गुजरात जायंट्स को छह विकेट से हराया जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अंतिम गेंद पर जीत दर्ज की।

अच्छी शुरुआत से दोनों टीम का मनोबल बढ़ा होगा लेकिन आरसीबी की टीम विशेषकर बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अधिक संतुलित नजर आ रही है और इसलिए वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। आरसीबी की बल्लेबाजी इकाई की मजबूती का पता इससे चलता है कि उसने 200 से अधिक रन के लक्ष्य को बड़ी आसानी से हासिल किया।

स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली टीम अपना यह प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगी। आरसीबी को राघवी बिष्ट और कनिका आहूजा जैसी युवा खिलाड़ियों के कारण मजबूती मिली है जो मंधाना, एलिसे पेरी, ऋचा घोष और डैनी व्याट के साथ सहजता से घुल-मिल गई हैं। राघवी और कनिका ने पहले मैच में जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आरसीबी के गेंदबाजों को हालांकि कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी। गेंदबाजी ने उसे पेरी की कमी महसूस हो रही है। ऑस्ट्रेलिया की यह स्टार ऑलराउंडर चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में गेंदबाजी नहीं कर पाएंगी।

दिल्ली की बल्लेबाजी बेहद मजबूत है और आरसीबी के गेंदबाजों को उन पर लगाम लगाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली की बल्लेबाजी इकाई में कप्तान मेग लैनिंग, एनाबेल सदरलैंड, शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, एलिस कैप्सी और सारा ब्राइस जैसी धुरंधर बल्लेबाज हैं जो किसी भी तरह के आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकती हैं। तेज गेंदबाज शिखा पांडे की अगुवाई वाली दिल्ली की गेंदबाजी इकाई ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को 164 रन पर रोककर अच्छा प्रदर्शन किया था जिसे वह जारी रखने की कोशिश करेंगे।

टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स - मेग लैनिंग (कप्तान), एलिस कैप्सी, सारा ब्राइस, एनाबेल सदरलैंड, मिन्नू मणि, शैफाली वर्मा, अरुंधति रेड्डी, एन चरानी, ??शिखा पांडे, जेमिमा रोड्रिग्स, नंदिनी कश्यप, स्नेहा दीप्ति, जेस जोनासेन, निकी प्रसाद, तानिया भाटिया, मारिज़ैन कैप, राधा यादव, टिटास साधु।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - स्मृति मंधाना (कप्तान), नुजहत परवीन, जोशिता वीजे, ऋचा घोष, डैनी व्याट, कनिका आहूजा, सब्बीनेनी मेघना, एकता बिष्ट, किम गर्थ, श्रेयंका पाटिल, एलिसे पेरी, प्रेमा रावत, जॉर्जिया वेयरहैम, राघवी बिस्ट, हीथर ग्राहम, जाग्रवी पवार, रेणुका सिंह, चार्ली डीन।

समय - शाम 7.30 बजे।

पाकिस्तान का तेज गेंदबाज हारिस चोट से उबरा, चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए होगा उपलब्ध

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफ चोट से उबर चुके हैं और बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के पहले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान टीम के एक करीबी सूत्र ने रविवार को पुष्टि की कि हारिस चोट से उबर गए हैं और कराची में चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में खेलेंगे। इस तेज गेंदबाज को हाल ही में त्रिकोणीय श्रृंखला के दौरान छाती की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। सूत्र ने कहा, 'हारिस अब ठीक हैं और त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच के बाद दिए गए आराम से उन्हें उबरने में मदद मिली है। सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान के किसी अन्य खिलाड़ी के साथ फिटनेस संबंधी कोई समस्या नहीं है। अपनी तेज गति और बीच के ओवरों में विकेट लेने की क्षमता के साथ पाकिस्तान के प्रमुख गेंदबाजों में से एक हारिस टीम के साथ बने हुए हैं जबकि चयनकर्ताओं ने उनके विकल्प के रूप में अकिफ जावेद को बुलाया है जिन्हें पदार्पण का इंतजार है। हारिस ने 46 एकदिवसीय अंतरराष्टीय मैच में 83 विकेट और 79 टी20 अंतरराष्टीय मैच में 110 विकेट चटकाए हैं। पाकिस्तान त्रिकोणीय श्रृंखला में न्यूजीलैंड से दो बार हार गया था जिसमें शुक्रवार को हुआ फाइनल भी शामिल है।

यशस्वी जायसवाल रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल से बाहर

नागपुर - मुम्बई के लिए खेलने वाले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल टखने की चोट के कारण सोमवार से विदर्भ के साथ शुरु हो वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल से बाहर गए हैं। यशस्वी जायसवाल इस सप्ताहांत प्रशिक्षण के दौरान के बाएं टखने में चोट लग गई थी। वह अब राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) बेंगलुरू जाएंगे। मुम्बई टीम की ओर जायसवाल की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में लिये जाने के बारे में नहीं बताया गया हैं।

भारतीय टेस्ट टीम के नियमित सदस्य जायसवाल ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय में पर्दापण किया था। उन्हें विराट कोहली की जगह टीम में शामिल किया था। जायसवाल पहले भारत के शुरूआती चैंपियंस ट्रॉफी टीम में थे। लेकिन आखिर उनकी जगह पर वरूण चक्रवर्ती को टीम में शामिल कर लिया गया। दुबे और जायसवाल को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत के नॉन-ट्रैवलिंग रिजर्व में रखा गया हैं और जरूरत पड़ने पर वे दुबई की यात्रा कर सकते हैं।

इसके बाद जायसवाल मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी का सेमीफाइनल खेलने वाले थे। टीम में अजिंक्य रहाणे, सूर्यकुमार कुमार, शिवम दुबे और शार्दुल ठाकुर जैसे नामी खिलाड़ी है। उल्लेखनीय है कि कल होने वाले सेमीफाइनल में मुम्बई का मुकाबला विदर्भ से होगा।

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल - केरल पर गुजरात का पलड़ा भारी

अहमदाबाद। पूर्व चैंपियन और मेजबान गुजरात अपने आक्रामक खेल और मजबूत बल्लेबाजी के कारण केरल के खिलाफ सोमवार से यहां शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।

गुजरात 2016-17 का चैंपियन है लेकिन वह 2019-20 के सत्र के बाद पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने राजकोट में खेले गए क्वार्टर फाइनल मैच में सौराष्ट्र को पारी और 98 रन से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। गुजरात की सेमीफाइनल तक की राह में उसके मध्यक्रम के बल्लेबाजों मनन हिंगराजिया, जयमीत पटेल और विकेटकीपर उर्विल पटेल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उर्विल ने पिछले मैच में 140 रन बनाए थे जो उनके प्रथम श्रेणी करियर का पहला शतक था। जयमीत ने भी इस मैच में शतक लगाया था जिससे गुजरात ने अपनी पहली पारी में 511 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जयमीत ने इस सत्र में गुजरात की तरफ से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभी तक 48.50 की औसत से 582 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। मनन भी 570 रन बनाकर जयमीत से ज्यादा पीछे नहीं हैं। उन्होंने भी अपने प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई है और उनके नाम पर दो शतक दर्ज हैं।

जहां तक सचिन बेबी की अगुवाई वाली केरल की टीम का सवाल है तो उसके लिए अभी तक का सफर काफी भावनात्मक रहा है। उसने क्वार्टर फाइनल में जम्मू कश्मीर पर पहली पारी में एक रन की बढ़त हासिल करने के दम पर दूसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। क्वार्टर फाइनल में केरल के सामने 399 रन का चुनौती पूर्ण लक्ष्य था लेकिन उसके बल्लेबाजों ने अपने धैर्य और दृढ़ संकल्प का शानदार नमूना पेश करके मैच को ड्रॉ करा कर अपनी टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया था।

पुरूष प्रो लीग हॉकी में भारतीय टीम की हार, स्पेन ने 3-1 से हराया

भुवनेश्वर, एजेंसी

स्पेन ने पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक मैच में मिली हार का बदला चुकता करते हुए भारत को एफआईएच पुरूष प्रो लीग मैच में शनिवार को 3-1 से हरा दिया। सत्र के पहले प्रो लीग मैच में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। स्पेन के लिये बोर्जा लाकाले (28वां मिनट), इग्नाशियो कोबोस (38वां) और ब्रूनो अविला (56वां मिनट) ने गोल दागे। भारत के लिये एकमात्र गोल 25वें मिनट में सुखजीत सिंह ने किया।

पहला क्वार्टर एक दूसरे की ताकत को आजमाने का रहा। अभिषेक ने एक मौका ललित उपाध्याय के लिए बनाया, लेकिन इसके अलावा भारतीय टीम कोई हमला नहीं बोल सकी। दूसरी ओर भारतीय गोलकीपर कृशन बहादुर को भी पहले क्वार्टर में मेहनत नहीं करनी पड़ी क्योंकि स्पेनिश खिलाड़ियों के शॉट सटीक नहीं पड़े।

भारत ने दूसरे क्वार्टर में गोलकीपर सूरज करकेरा को उतारा और उन्होंने आते ही स्पेन का एक गोल बचाया। सुखजीत ने 25वें मिनट में मैच का पहला गोल दागा जिन्हें दाहिने फ्लैंक से जरमनप्रीत सिंह ने पास दिया था। वह पहले प्रयास में इसे ट्रैप करने में नाकाम रहे लेकिन तेजी से दमदार रिवर्स हिट पर स्पेनिश गोलकीपर को चकमा देकर गोल किया।

तीन मिनट बाद स्पेन ने बराबरी का गोल दागा। भारतीय टीम के कमजोर रक्षण का फायदा उठाते हुए तीसरे क्वार्टर में इग्नाशियो ने टीम को बढत दिला दी। भारत ने तीसरे और चौथे क्वार्टर में कई पेनल्टी कॉर्नर गंवाए। आखिरी सीटी बजने से चार मिनट पहले हरमनप्रीत की गलती से मिले पेनल्टी कॉर्नर पर ब्रूनो ने स्पेन के लिये तीसरा गोल दागा।

जयपुर, अलवर एवं भरतपुर से एक साथ प्रकाशित दैनिक
अरुणप्रभा
केन्द्र व राज्य से विज्ञापनों के लिए मान्य
अभिनव हिन्दी दैनिक

2014 से पहले पद्म पुरस्कार परिवार में बंटते थे
सिक्किम के राज्यपाल माथुर बोले- अब कोई भेदभाव नहीं, मुस्लिम को भी अवॉर्ड मिल रहा

यतेंद्रनाथ शर्मा/डूंगरपुर। सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर ने कहा कि साल 2014 के पहले पद्म पुरस्कार परिवार में और बड़े-बड़े लोगों को बांटे जाते थे। इसके बाद देश में पद्म पुरस्कार धरातल पर सेवा करने वालों को दिया जा रहा है। इसने कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा है। मुस्लिम को भी अवॉर्ड मिल रहा है। माथुर रविवार को डूंगरपुर में बोल रहे थे। ओमप्रकाश माथुर ने कहा 2014 के बाद बिना भेदभाव के सभी वर्गों को अवॉर्ड दिए गए। चाहे वह किसी भी वर्ग से आता हो। जयपुर के बगरू में एक बैंड मास्टर मुस्लिम परिवार गौ भक्त हो गया। वह रामायण भी पढ़ने लगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसे पद्मश्री अवॉर्ड देकर सम्मानित किया। राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर ने पद्मश्री अवॉर्ड प्राप्त मूलचंद लोढ़ा के सेवा कार्यों की तारीफ करते हुए कहा कि ये वागड़ का हीरा है, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मानित किया। उनके सेवा कार्यों के चर्चे देशभर में है। वागड़ को गर्व करना चाहिए कि मूलचंद लोढ़ा वागड़ का हीरा है, जिन्हें पद्मश्री मिला। राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर ने वागदरी में आचार्य महाप्रज्ञ आई हास्पिटल में सांसद कोष से बने 28 लाख के भवन का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने आचार्य महाप्रज्ञ आई हॉस्पिटल के साथ ही बच्चों की शिक्षा और संस्कारों को लेकर किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

शिक्षक भर्ती घोटाला : सुवेंदु के भाई दिब्येंदु और भारती घोष, तक पहुंची सीबीआई की जांच

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित शिक्षक भर्ती घोटाले में सीबीआई की जांच बीजेपी के दो बड़े नेताओं तक पहुच गई है। राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी पहले ही जेल में हैं। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इस घोटाले में अब पूर्व सांसद दिब्येंदु अधिकारी और पूर्व आईपीएस अधिकारी भारती घोष पर शक जताया जा रहा है। दिब्येंदु, बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के भाई हैं और घोष अब बीजेपी में हैं। सीबीआई ने हाल ही में एक विस्तृत रिपोर्ट और सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें इन दोनों के अलावा तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद ममता बाला ठाकुर और अन्य प्रभावशाली लोगों के नाम भी शामिल हैं सीबीआई के अनुसार, दिब्येंदु अधिकारी और ममता बाला ठाकुर ने 20-20 उम्मीदवारों की सिफारिश की थी, जबकि भारती घोष ने चार उम्मीदवारों को शिक्षक पद के लिए सिफारिश की। जांच एजेंसी को इस घोटाले से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज शिक्षा विभाग से मिले थे, जिनमें इन नेताओं द्वारा भेजी गई सिफारिशी चिट्ठियां शामिल थीं। इस मामले में जिन नेताओं के नाम सामने आए हैं, उन्होंने आरोपों से इनकार किया है। भारती घोष ने कहा कि उन्होंने सिर्फ एक उम्मीदवार के परीक्षा केंद्र बदलने की सिफारिश की थी, लेकिन घोटाले से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है अगर उनका नाम इस मामले से जोड़ा जाता है। ममता बाला ठाकुर ने इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया और कहा कि वह निर्दोष हैं। दिब्येंदु अधिकारी ने बयान दिया कि वह सिर्फ अदालत या जांच एजेंसी के सामने ही अपना पक्ष रखेंगे।

एक्ट्रेस शीबा बोलीं-ममता साध्वी बन गईं तो इसमें गलत क्या है वह एंजॉय कर रही है

मुंबई.। बॉलीवुड अभिनेत्री शीबा आकाशदीप 90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस रही हैं। शीबा ने अपने करियर में कई फिल्मों में लीड रोल के अलावा सपोर्टिंग एक्ट्रेस के तौर पर भी काम किया है। शीबा आज एक्टिंग छोड़ चुकी हैं, लेकिन वह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। शीबा ने एक इंटरव्यू में पर्सनल लाइफ को लेकर खुलकर बात की। इस दौरान शीबा से ममता कुलकर्णी के साध्वी बनने को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने जब ममता के बारे में सुना तो वह हैरान थी। शीबा ने कहा कि ममता कहीं-कहीं पर लगती है कि बहुत स्वीट सी है डम सी है। मतलब उसको शायद समझ नहीं आ रहा कि वह क्या बोल रही है। या फिर ये उसकी वास्तविकता होगी। मुझे उसके बारे में ज्यादा नहीं पता, लेकिन वह वास्तव में बहुत एंजॉय कर रही हैं। ममता से मिलने के सवाल पर शीबा ने कहा कि हां हम मिल चुके हैं। 90 के दशक की लड़कियां पार्टीज में कहीं न कहीं मिली ही हैं। मैंने जब से सुना है कि ममता साध्वी बन है तो तब से याद करने की कोशिश कर रही हूं कि ममता से कहां मिली लेकिन याद नहीं आ रहा कहां मिली थी लेकिन सौ फीसदी मिली हूं। लेकिन ममता आज भी कितनी सुंदर है, लेकिन कुछ गलत तो हो रहा है। अपने समय में वह बहुत खूबसूरत थीं। मेरे से कई लोगों ने पूछा कि वह साध्वी बन गई हैं आप क्या कहना चाहेंगी। मैंने कहा अगर वह एंजॉय कर रही हैं तो अच्छी बात है।

सचखंड गुरुद्वारा के पास गोलीबारी की जांच अब महाराष्ट्र एटीएस करेगी

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में गोलीबारी की घटना की जांच अब एटीएस को सौंप दी गई है। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और एक गंभीर रूप से घायल हुआ था। यह घटना 10 फरवरी को नांदेड़ के शाहिदपुरा में सचखंड गुरुद्वारा के पास हुई थी। अधिकारी ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने गुरमीत सिंह सेवादार और उसके रिश्तेदार रविंद्र सिंह राठौर पर जब गोली चलाई थी जब दोनों स्कूटर पर जा रहे थे। सेवादार नासिक सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है और पैरोल पर था। उन्होंने बताया कि राठौर की मौत हो गई, जबकि सेवादार गंभीर रूप से घायल हो गया था उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब इस मामले की जांच महाराष्ट्र एटीएस को सौंप दी गई है। मामले में दो लोगों ने हमलावर की मदद की थी, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। अदालत ने उन्हें छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस ने बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे 15 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया

इरोड। तमिलनाडु के इरोड जिले में दो महिलाओं समेत 15 बांग्लादेशी नागरिकों को बिना दस्तावेजों के रहने के आरोप में हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक पणिक्कम्पालयम, मेट्टुकादाई और पेरुंदुरई में छापेमारी की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि विदेशी नागरिक बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे हैं और निजी फर्मों में काम कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक छापेमारी अभियान चलाया गया इस दौरान पता चला कि 15 लोग निजी कंपनियों में और राजमिस्त्री के रूप में काम करते थे। उन्होंने बताया कि जब उनसे पासपोर्ट और वीजा समेत वैध यात्रा दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई भी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। सभी को हिरासत में लिया गया और पूछताछ की जा रही है, हालांकि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

14 मार्च को चांद हो जाएगा लाल, अमेरिका में दिखेगा नजारा, भारत पर असर नहीं

नई दिल्ली। 13 मार्च 2025 की देर रात और 14 मार्च की सुबह अमेरिका में अनोखा नजारा देखने को मिलेगा। इस दिन मून ब्लड रेड तो होगा साथ ही पूर्ण चंद्रग्रहण भी होगा। अमेरिका में यह नजारा देखने को मिलेगा। इस दिन चंद्रमा, सूर्य और धरती सीधे एक ही रेखा में होंगे। चंद्रमा से लाल लंबी वेवलेंग्थ का प्रकाश धरती पर पड़ेगा।

अमेरिका से निर्वासित प्रवासियों का दर्द, बोले-हथकड़ी-बेड़ी लगाकर भेजा

अमृतसर (एजेंसी)। अमेरिका से निर्वासित भारतीयों का दूसरा जत्था शनिवार रात अमृतसर एयरपोर्ट पहुंचा। इनमें से कुछ ने अपना दर्द बयां किया और कहा कि उन्हें हथकड़ियां पहनाकर यहां लाया गया है। यही नहीं पैरों में जंजीरें भी डाली गई थीं।

बता दें कि पहली बार जब 104 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था तो तस्वीरें सामने आई थीं, सोशल मीडिया पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। लोगों का कहना था कि डिपोर्टेशन तक तो ठीक है लेकिन उनके साथ मानवीय व्यवहार करना ठीक नहीं। उन्होंने अवैध रूप से इमिग्रेशन के अलावा कोई दूसरा अपराध नहीं किया है।

इन भारतीय प्रवासियों से कुछ ने अपना दर्द मीडिया के सामने रखा और कहा कि हमारे पैरों में जंजीरें थीं और हाथों में हथकड़ी। ये लोग 116 अवैध भारतीय प्रवासियों में शामिल हैं जिन्हें अमेरिकी विमान से शनिवार रात अमृतसर हवाई अड्डे लाया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें 'डंकी' मार्ग से

अमेरिका ले जाया गया था। 'डंकी' मार्ग वह अवैध और जोखिम भरा मार्ग है जिसका इस्तेमाल प्रवासी अमेरिका में प्रवेश करने के लिए करते हैं। इनके परिजनों का भी आरोप है कि ट्रैवल एजेंट ने धोखा दिया है। पहले तो एजेंट ने उन्हें कानूनी तरीके से अमेरिका ले जाने का आश्वासन दिया था लेकिन बाद में जब उन्हें कई स्थानों पर ले जाया गया, तो उन्हें यात्रा की वैधता पर संदेह पैदा हुआ।

बता दें अमेरिका से 116 अवैध प्रवासियों को लेकर एक विमान शनिवार देर रात अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। एक अधिकारी ने बताया कि यह अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के तहत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन द्वारा 5 फरवरी के बाद निर्वासित किया गया भारतीयों का दूसरा जत्था है। इनमें पंजाब से संबंध रखने वाले लोगों को आव्रजन संबंधी और पृष्ठभूमि की जांच के बाद रविवार तड़के करीब साढ़े चार बजे पुलिस की गाड़ियों में उनके घर पहुंचाया गया। हरियाणा सरकार ने भी राज्य से निर्वासित लोगों के लिए परिवहन की व्यवस्था की।

सूत्रों के मुताबिक दूसरे जत्थे में निर्वासित लोगों में पंजाब से 65, हरियाणा से 33, गुजरात से 8, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से दो-दो और हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से एक-एक व्यक्ति शामिल है। अधिकतर निर्वासित लोग 18 से 30 साल के हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 157 निर्वासितों को लेकर तीसरे विमान के 16 फरवरी को भारत आएगा।

मैं और मेरे परिवार को मारना चाहते हैं लोग : रणवीर इलाहाबादिया का पोस्ट

मुंबई। कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंट में विवादास्पद टिप्पणी के बाद रणवीर इलाहाबादिया ने जो पोस्ट शेयर किया है उसमें उन्होंने बताया, मैं और मेरी टीम पुलिस के साथ सहयोग कर रहे हैं। मैं प्रोसेस को फॉलो करूंगा और एजेंसियों के लिए मौजूद रहूंगा। माता-पिता को लेकर मेरी टिप्पणी बहुत ही असंवेदनशील और अपमानजनक थी। ये मेरी नैतिक जिम्मेदारी है कि मैं बेहतर करूं और मैं सच में आपसे माफी मांगता हूं। पोस्ट में उन्होंने बताया कि वो और उनकी टीम जांच में पुलिस का साथ दे रहे हैं। साथ ही, उन्होंने बताया कि उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। रणवीर ने कहा कि कुछ लोग उनकी मां की क्लीनिक में मरीज बनकर पहुंच गए थे और वो बहुत डरे हुए हैं। उन्होंने आगे लिखा, मैं देख रहा हूं कि लोग मुझे जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं, कह रहे हैं वो मुझे मारना चाहते हैं। लोग मेरी मां के क्लीनिक में मरीज बनकर घुस आए। मैं बहुत डरा हुआ हूं और मुझे नहीं पता मैं क्या करूं। मैं भाग नहीं रहा हूं। मुझे पुलिस और भारत की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। बता दें, रणवीर इलाहाबादिया का बयान दर्ज करने के लिए पुलिस उनके घर पहुंची थी, लेकिन पुलिस को उनके घर पर ताला लटका मिला। वहीं, उनका फोन भी बंद आ रहा था। पुलिस इस मामले में अभी तक रणवीर का बयान दर्ज नहीं कर पाई है।

काशी में भक्तों का सैलाब: लंबा इंतजार, दर्शन के लिए 5 किमी लंबी लाइन

वाराणसी (एजेंसी)। काशी और अयोध्या में वीकेंड पर श्रद्धालुओं का जबरदस्त सैलाब उमड़ा है। वाराणसी में करीब 20 लाख लोग पहुंचे, जिससे मंदिर और रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ देखी जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेडिंग की है, वहीं गंगा आरती को 26 फरवरी तक रोक दिया गया है। इसके अलावा, शाम 6 बजे के बाद गंगा में नाव संचालन पर भी रोक लगा दी गई है।

रविवार तड़के 2:45 बजे बाबा विश्वनाथ मंदिर के कपाट खोले गए, जिसके बाद श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़ पड़े। मंदिर के बाहर 5 किलोमीटर तक लंबी कतारें लगी रहीं, और भक्तों को दर्शन करने में 5-6 घंटे का समय लगा है। भीड़ के चलते रेलवे स्टेशन पर भी हालात खराब रहे हैं। ट्रेनें देरी से चल रही हैं, जिससे यात्री स्टेशन पर ही फंसे हुए हैं। कुछ यात्रियों ने दावा किया कि वो 24 घंटे से ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ट्रेन उनके गंतव्य को जाने वाली नहीं आई।

अयोध्या में भी श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा

अयोध्या में भी 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे हैं। हनुमान गढ़ी में इतनी भीड़ है कि पैर रखने की जगह तक नहीं बची। रामलला के दर्शन के लिए 2 किलोमीटर लंबी लाइन लगी। पुलिस द्वारा गाड़ियों को सीमा पर ही रोक दिया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को 10 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ रहा है।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं से धैर्य से काम लेने की अपील

काशी और अयोध्या में भीड़ को संभालने के लिए प्रशासन लगातार निगरानी रखे हुए है। इसके साथ ही किसी अनहोनी से बचने प्रशासन ने श्रद्धालुओं से धैर्य बनाए रखने और नियमों का पालन करने की अपील की है, ताकि सभी सुरक्षित और सुगमता से दर्शन कर सकें।

अगर कोई बैंक बैन या बंद हो जाए तो क्या होगा, आपको कितना पैसा मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इस प्रतिबंध के तहत बैंक के ग्राहक अगले छह महीनों तक अपनी जमा राशि नहीं निकाल सकेंगे और न ही कोई अन्य लेन-देन कर पाएंगे। यह फैसला बैंक में वित्तीय अनियमितताओं और खराब प्रबंधन को देखते हुए लिया गया है। इस घोषणा के बाद बैंक की शाखाओं के बाहर परेशान ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी, जो अपनी मेहनत की कमाई को लेकर चिंतित हैं। आरबीआई की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि बैंक की वित्तीय स्थिति में सुधार होने के बाद ही प्रतिबंध हटाए जाएंगे। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब किसी बैंक पर इस तरह की पाबंदी लगी हो। इससे पहले पीएमसी बैंक, यस बैंक और शिरपुर मर्चेंट्स कोऑपरेटिव बैंक पर भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाए गए थे। बैंक में अपना पैसा जमा करने वाले ग्राहकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर बैंक दिवालिया हो जाता है तो उनकी जमा राशि का क्या होगा।

भारतीय बैंकिंग नियमों के अनुसार, यदि कोई बैंक डूब जाता है या उसका लाइसेंस रद्द कर दिया जाता है, तो ग्राहकों को अधिकतम 5 लाख रुपए तक की राशि वापस मिल सकती है। यह सुरक्षा डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन (डीआईसीजीसी) के तहत आती है, जो बचत खाता, चालू खाता और एफडी जैसी सभी जमाओं को मिलाकर अधिकतम 5 लाख रुपए की गारंटी देती है। यदि किसी ग्राहक के एक ही बैंक में 7 लाख रुपए जमा हैं, तो भी उसे अधिकतम 5 लाख रुपए ही वापस मिलेंगे। लेकिन अगर उसने अपनी जमा राशि को अलग-अलग बैंकों में वितरित कर रखा है, तो प्रत्येक बैंक से उसे 5 लाख तक की राशि प्राप्त हो सकती है।

बैंकिंग विशेषज्ञों के अनुसार, ग्राहकों को अपनी पूरी जमा राशि एक ही बैंक में रखने के बजाय अलग-अलग बैंकों में वितरित करनी चाहिए। इसके अलावा, सरकारी बैंकों जैसे एसबीआई, पीएनबी, बैंक ऑफ बड़ौदा और बड़े निजी बैंकों जैसे एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, कोटक महिंद्रा में धन जमा करना अधिक सुरक्षित माना जाता है। सहकारी बैंकों की वित्तीय स्थिति कई बार अस्थिर हो सकती है, इसलिए उनमें बड़ी मात्रा में धन रखने से बचना चाहिए। आरबीआई ने साफ किया है

कि न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक की स्थिति सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं। यदि बैंक की हालत बेहतर होती है, तो प्रतिबंध हटाए जा सकते हैं। लेकिन फिलहाल ग्राहकों को धैर्य बनाए रखने और अपने निवेश को सोच-समझकर करने की सलाह दी गई है।

सिद्धरमैया हमारे नेता हैं, उनके नाम का गलत इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं: शिवकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं और किसी को भी उनके नाम का दुरुपयोग करके बयान देने की कोई जरूरत नहीं है।

पार्टी के एक वर्ग का कहना है कि सिद्धरमैया को मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करना चाहिए, जिसपर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवकुमार ने यह बयान दिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इस साल के अंत में कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच अगले चुनाव में सत्ता बरकरार रखने के लिए सिद्धरमैया का नेतृत्व पार्टी के लिए महत्वपूर्ण

है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को कई मौकों पर छिपा नहीं पाए हैं। शिवकुमार ने कहा, सिद्धरमैया हमारे मुख्यमंत्री हैं, वह हमारे नेता हैं, हम उन्हें सभी चुनावों में चाहते हैं। हम उन्हें जिला पंचायत, तालुक पंचायत, विधानसभा और संसद चुनावों में चाहते हैं। वह हमारे नेता हैं।

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, कांग्रेस पार्टी ने सिद्धरमैया को दो बार मुख्यमंत्री बनाया है। किसी को भी आए दिन उनके नाम का दुरुपयोग करने की कोई जरूरत नहीं है। वह हमारे नेता हैं, कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं। वह दूसरी बार मुख्यमंत्री के तौर पर काम कर रहे हैं और अच्छा काम कर रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि वह मीडिया (अटकलबाजी) का विषय बनें।

पार्टी नेताओं के बयानों के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, कोई भ्रम नहीं है, कांग्रेस पार्टी हर दिन हर चीज पर नजर रख रही है। सिद्धरमैया मई 2023 से मुख्यमंत्री हैं। इससे पहले वह 2013 से 2018 तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा नहीं होने की वजह से अब अगले माह भाजपा को मिलेगा नया अध्यक्ष

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा फिलहाल अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। यह दायित्व संभाले हुए उन्हे करीब 6 साल हो गए हैं। कई बार नए अध्यक्ष को लेकर चर्चा चली लेकिन कुछ न कुछ अड़चन आने के कारण नड्डा का कार्यकाल बढ़ता रहा है। इस बार भी कहा जा रहा है कि मार्च में भाजपा को जेपी नड्डा का विकल्प मिल पाएगा। इसकी वजह यह है कि भाजपा के संविधान के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले कम से कम आधी राज्य इकाइयों के अध्यक्षों का चुनाव हो जाना चाहिए। वहीं प्रदेश अध्यक्षों के इलेक्शन से पहले जिलाध्यक्ष चुने जाने चाहिए। अब तक कई राज्य ऐसे हैं, जहां जिलाध्यक्ष ही नहीं चुने जा सके हैं और इसके कारण प्रदेश अध्यक्षों का इलेक्शन अटका है।

इससे पहले नड्डा लोकसभा चुनाव तक के लिए कार्यकाल विस्तार मिला था, लेकिन फिर महाराष्ट्र, हरियाणा जैसे राज्यों के चुनाव के कारण नए अध्यक्ष का चुनाव लटक गया। उम्मीद थी कि जनवरी या फरवरी तक भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा,

लेकिन यह फिर से टल गया है। फिर इसी के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में भी देरी हो रही है। इसकी एक वजह यह भी रही कि भाजपा ने अपने संगठन की पूरी मशीनरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव में उतार दिया था। इसके कारण कई राज्यों में संगठन चुनाव लटक गए। भाजपा ने अब तक 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 11 में ही प्रदेश अध्यक्ष चुने हैं। कई राज्यों में चुनाव जारी हैं और कहीं तो अध्यक्षों को रिपीट ही किया जा रहा है। अब तक आंध्र प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में जिलाध्यक्षों का चुनाव हो चुका है। लेकिन उत्तराखंड, यूपी समेत कई राज्यों में अब भी इलेक्शन अटका हुआ है। भाजपा संगठन के लोगों का कहना है कि राज्यों में ही चुनाव होना फरवरी या मार्च के शुरुआती दिनों तक संभव है। ऐसे में इसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा।

इस तरह पूरी संभावना है कि मार्च के आखिर तक ही भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। इस देरी कि एक वजह यह भी रही कि लोकसभा चुनाव के बाद भी लगातार राज्यों के चुनाव बने रहे। फिर दिल्ली विधानसभा चुनाव आ गया। अब बिहार विधानसभा इलेक्शन में करीब 6 महीने का वक्त है। ऐसे में बीच के इस समय का इस्तेमाल भाजपा संगठन में बदलाव के लिए करना चाहेगी। इससे संगठन की कमान संभालने वाले नए अध्यक्ष को भी तैयारी का मौका मिल जाएगा। भाजपा के अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का ही होता है, लेकिन जेपी नड्डा को इस बार विस्तार मिला। जेपी नड्डा भले ही पीएम नरेंद्र मोदी की छाया में रहे हैं, लेकिन उनके कार्यकाल को कई राज्यों में शानदार जीत और लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनने के लिए याद किया जाएगा।

अमेरिका से 157 भारतीयों को लेकर आ रहा तीसरा विमान, यह भी अमृतसर में उतरेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवासी भारतीयों को लेकर अमेरिका से तीसरा विमान आ रहा है। कितने बजे तक लैंड करेगा इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। ये तीसरा विमान भी अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरेगा।

अमेरिका से 116 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर सैन्य विमान सी-17 ए ग्लोबमास्टर-3 शनिवार रात 11:30 बजे अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। पहले 119 अप्रवासियों को डिपोर्ट करने के खबरें थीं, लेकिन बाद में लिस्ट अपडेट की गई। इस विमान में पंजाब से 65, हरियाणा से 33, गुजरात से 8, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से 2-2 और हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से एक-एक व्यक्ति शामिल थे।

एयरपोर्ट के अंदर पहले सभी के दस्तावेजों की चेकिंग की गई। इसके साथ यह भी देखा गया कि किसी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड है या नहीं। सारी

औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उनके परिजनों के हवाले कर दिया गया। अमेरिका तीसरे बैच में 157 अवैध प्रवासी भारतीयों को रविवार यानी आज सुबह अमृतसर भेजेगा। अभी यह पता नहीं चल सका है कि विमान कितने बजे यहां लैंड करेगा।

अमृतसर को डिपोर्ट केंद्र नहीं बनने देंगे: मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतसर हवाई अड्डे पर भारतीय प्रवासियों को ला रहे अमेरिकी विमानों की लैंडिंग को लेकर केंद्र पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पवित्र शहर अमृतसर को बदनाम किया जा रहा है। हम अमृतसर को डिपोर्ट केंद्र नहीं बनने देंगे। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए लोगों को अमृतसर एयरपोर्ट पर उतारना केंद्र सरकार की साजिश है। यह जहाज दिल्ली या अहमदाबाद अथवा देश के किसी भी एयरबेस पर उतारा जा सकता है। अमेरिका से आने वाले जहाज के लिए पहले दिल्ली एयरपोर्ट आता है।

स्पीड में चीन के बाहुबली फाइटर जेट का मुकाबला नहीं कर सकता अमेरिका का एफ 35

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने भी 5वीं जेनरेशन का एयरक्राफ्ट डेवलप किया है। यह एयरक्राफ्ट अमेरिका के एफ 35 से कई गुना ज्यादा गति वाला है। चीन ने हाल में ही 5वीं जेनरेशन फाइटर जेट जे-35ए को दुनिया के सामने पेश किया था। बताया जाता है कि बीजिंग ने एफ-35 से प्रेरित होकर जे-35ए फाइटर जेट बनाया है। हालांकि, चीनी लड़ाकू विमान स्पीड और टेक्नोलॉजी के मामले में अमेरिका के एफ-35 एयरक्राफ्ट से अपग्रेड है।

बता दें कि चीन पिछले कुछ साल में अपने डिफेंस पर खर्च में बेतहाशा वृद्धि की है। खासकर एयरफोर्स और नेवी को अपग्रेड किया है। यह प्रक्रिया अभी भी जारी है। इसे देखेते हुए भारत को भी इस दिशा में कदम उठाना पड़ रहा है। भारत भी एयरफोर्स को अपग्रेड कर रहा है। राफेल के बाद अब अमेरिका से एफ-35 एयरक्राफ्ट को खरीदने का फैसला किया गया है। दूसरी तरफ नेवी को भी मॉडर्न बनाया जा रहा है। राफेल-एम की खरीद उसी प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके अलावा मिसाइल और अन्य आधुनिक वेपन को डेवलप किया जा रहा है। सबसे पहले चीन की पांचवीं पीढ़ी के विमान जे-35ए की बात करते हैं। बीजिंग ने बदलते सामरिक माहौल के बीच पांचवीं पीढ़ी के विमान का निर्माण शुरू किया है। इसी क्रम में डेवलप किया गया है। यह फाइटर जेट स्टील्थ होने के कारण रडार की पकड़ से बाहर है। मतलब इसे रडार पकड़ नहीं सकते हैं।

अमेरिका का एफ-35 फाइटर जेट भी पांचवीं पीढ़ी का विमान है। यह एयरक्राफ्ट मैक-1.6 की रफ्तार से उड़ान भरने में सक्षम है। फिफ्थ जेनरेशन का विमान होने की वजह से यह रडार की पकड़ से दूर है। मतलब इसे रडार नहीं पकड़ सकता है। इसमें एडवांस्ड सेंसर लगे हुए हैं, ताकि टारगेट को हासिल करने में आसानी रहे। इसके अलावा इस विमान में रडार को जाम करने की भी क्षमता है। साथी मॉडर्न इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से भी यह फाइटर जेट लैस है।

अवैध अप्रवासियों की वापसी के तरीकों पर है आपत्ति

डॉ. विश्वास तिवारी

बीस जनवरी को दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति की शपथ लेने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ताबड़तोड़ फैसले ले रहे हैं चाहे वह दूसरे देशों पर टैरिफ लगाना हो, कनाडा, पनामा नहर और गाजा को अपने अधीन लेने का विचार हो या फिर अवैध तरीके से अमेरिका में रहने वाले अप्रवासियों को उनके देश वापस भेजने का हो। यह विडंबना ही है कि पूरे विश्व को मानव अधिकारों एवं आदर्श जीवन मूल्यों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने विभिन्न देशों के अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने को बलपूर्वक अंजाम दिया। इस पर हमारे देश की संसद में जो आपत्ति और आक्रोश जताया गया, वह उचित ही है। किसी भी देश को अधिकार है कि वह अपने देश में अवैध तरीके से प्रवेश करने वालों को उनके देश वापस भेज दे, लेकिन इसका कोई औचित्य नहीं की वह उन्हें हथकड़ी और बेड़ी लगाकर अमानवीय तरीके से भेजे। पिछले दिनों अमेरिका ने अपने सैन्य विमान से जिन 104 भारतीयों को अमृतसर के हवाई अड्डे पर भेजा (और 487 अन्य भारतीय अभी फिर भेजे जाने है) उन्हें 20 घंटों की हवाई यात्रा के दौरान हथकड़ी पहनाएं रखा और उनके पैरों को जंजीरों से बांधे रखा और सैन्य विमान होने के कारण उन्हें पेशाब तक करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ा, क्योंकि सैन्य विमान में एक ही बाथरूम होता है। आखिर यह सब करने की क्या जरूरत थी जब वह विमान में चढ़ गए थे तो उनके भागने का तो कोई सवाल ही नहीं था। वो भी जब भारत ने इस कार्यवाही का समर्थन किया था और डोनाल्ड ट्रंप भारत को अपना मित्र देश कहते है। अवैध अप्रवासी भी अमेरिका से बेदखल किए जाते समय समान्य गरिमा के तो हकदार थे। इस बात की भी अनदेखी नहीं की जा सकती थी, अवैध अप्रवासियों में महिलाएं और बच्चे भी थे और उनके साथ भी संवेदनहीनता दिखाई गई। अमेरिका ने भारत के लोगों के साथ ऐसा व्यवहार किया जैसे वह लोग खूंखार अपराधी या आतंकवादी हो। अमेरिका में पहले भी भारतीय अवैध अप्रवासियों को ओबामा और बाइडन के कार्यकाल में वापस भेजा जा चुका है, लेकिन यह पहली बार है कि उनके साथ अमाननीय व्यवहार हुआ है। भारत को इस पर अपनी आपत्ति दर्ज करनी चाहिए। यह सही है कि डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए अवैध अप्रवासियों को अपने देश से बाहर करने को चुनावी मुद्दा बनाया था और वह अब यह बताना चाह रहे है कि वह अपने हर वादे को पूरा कर रहे है, लेकिन यदि ट्रंप चाहते है कि भारत उनके हर मुद्दों पर चाहे वह आयात शुल्क कम करना हो या ईलान मस्क की कंपनी स्टारलिंक को भारत में प्रवेश दिलाना हो तो उन्हें भी भारत के मुद्दों पर संवेदनशीलता दिखानी होगी। इस समय ट्रंप केवल एक सिद्धांत पर काम कर रहे है कि 'अमेरिका केवल अमेरिकन्स' का है मगर वह यह भूल रहे है कि इस देश का निर्माण, बाहरी आबादी से हुआ है। ट्रंप दरअसल पूर्व राष्ट्रपति से बड़ी लकीर खींचना चाहते है। बाइडन प्रशासन ने पिछले वित्तीय वर्ष में ढाई लाख से

एक अनुमान के मुताबिक, दुनिया भर के करीब एक करोड़ दस लाख लोग इस समय अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे है। इनमें से काफी सारे लोग भारत के भी है। इस समय अमेरिका ने करीब 18,000 भारतीयों को वापस भेजने का फैसला किया है, क्योंकि इनके पास वहां रहने के लिए उपयुक्त दस्तावेज नहीं है। दुनिया में सबसे ज्यादा अवैध अप्रवासी अमेरिका में ही रहते है, उसके बाद रूस और उसके बाद भारत में रहते है।

अधिक अवैध अप्रवासियों को अपने देश से निर्वासित किया था जो कि साल 2014 के बाद से निर्वासन का उच्चतम रिकार्ड है, लेकिन ट्रंप अवैध अप्रवासियों को सेना के विमानों से भेज रहे है, जबकि बाइडन ने उन्हें चार्टर फ्लाइट से भेजा था। अब इसमें सवाल यह है कि क्या अमेरिका में भारत के दूतावास और भारतीय विदेश मंत्रालय इस तरह की अमाननीय कार्यवाही से अनभिज्ञ थे?

एक अनुमान के मुताबिक, दुनिया भर के करीब एक करोड़ दस लाख लोग इस समय अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे है। इनमें से काफी सारे लोग भारत के भी है। इस समय अमेरिका ने करीब 18,000 भारतीयों को वापस भेजने का फैसला किया है, क्योंकि इनके पास वहां रहने के लिए उपयुक्त दस्तावेज नहीं है। दुनिया में सबसे ज्यादा अवैध अप्रवासी अमेरिका में ही रहते है, उसके बाद रूस और उसके बाद भारत में रहते है। अमेरिका में सबसे ज्यादा अप्रवासी मेक्सिको से आते है। अमेरिका और भारत के रिश्ते पिछले कुछ सालों से काफी अच्छे है और इसलिए ही भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी प्रशासन को इस काम में पूर्ण सहयोग का आश्वासन भी दिया था। उन्होंने कहा था कि यदि कोई भारतीय अवैध रूप से अमेरिका में पाया जाता है तो हम उसकी नागरिकता का सत्यापन करा कर हम उसे वापस भारत में ले लेंगे। ऐसे में ट्रंप प्रशासन की यह कार्रवाई निश्चित रूप से निंदनीय है अवैध घुसपैठ का शिकार खुद भारत भी है। लाखों बांग्लादेशी घुसपैठियों के साथ-साथ हजारों रोहिंग्या यहां वर्षों से रह रहे है और अपना फर्जी आधार कार्ड और राशन कार्ड बनवाकर मुफ्त का अनाज ले रहे है। ऐसे घुसपैठिएं भारत देश से प्यार भी नहीं करते और अपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहते है। अदालती निर्देश के बावजूद सरकार राजनयिक स्तर पर बांग्लादेश और म्यांमार के बीच बातचीत कर रही है कि वे अपने अवैध रूप से रह रहे नागरिकों को ले जाए। अदालती निर्देश के तहत अगर सरकार चाहे तो सेना के जरिए उन्हें जबरदस्ती उनके देश भेज सकती है। यह घटना अमेरिका में वैध रूप से रह रहे भारतीय समुदाय को भी प्रभावित करेगी और भारत की प्रतिष्ठा को भी। वैध तरीकों से रह रहे भारतीयों ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर अमरिका में अच्छी जगह बनाई है और वहां टैक्स के रूप में पूरा और बड़ा योगदान देते है। भारत सरकार भी इस तथ्य को अच्छी तरह समझती है कि समस्या की मूल जड़ अवैध प्रवासियों का वापस आना नहीं, बल्कि उनका अवैध तरीके से अमेरिका जाना है। ऐसी क्या सुविधाएं उन्हें भारत सरकार नहीं दे पाई कि वह अपनी जान-जोखिम में डालकर अवैध तरीके से अमेरिका जाने को मजबूर हो गए?

अवैध रूप से घुसपैठ करने वाले भारतीय 'डुनकी रुट' जिसे डंकी रुट भी कहा जाता है का इस्तेमाल करते है। इस ही नाम से राजकुमार हिरानी फिल्म भी बना चुके है जिसमें शाहरूख खान ने अभिनय किया था। इस रुट से जाने वाले यात्री अलग-अलग देश से होते हुए अमेरिका पहुंचते है जिसमें कई बार इनकी जान भी चली जाती है। भारतीय अमेरिका में अवैध तरीके से पहुंचने के लिए कनाडा से घुसपैठ करते है और चीनी नागरिक मैक्सिको से घुसते है। विदेश मंत्रालय बता रहा है कि ये पंजाबी लोग अमेरिका जाने के सपने को पूरा करने के लिए 45 लाख रुपये खर्च कर सकते है वो गरीब नहीं हो सकते, जबकि सच यह है कि यह लोग अपनी जमीन, घर बेचकर और लोन लेकर इन पैसों का इंतजाम करते है। अब भारत सरकार को यह प्रयास करना होगा कि लोगों को विदेश पहुंचाने वाले ऐसे गिरोहों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करें। ताकि इस प्रक्रिया पर रोक लगे और इसेके साथ-साथ नए अवसर बनाने पर भी ध्यान देना होगा। तभी लोगों को यह समझ आएगा कि इतना पैसा गंवाकर और जान-जोखिम में डालकर विदेश जाने का कोई मतलब नहीं है। अब अमेरिका से वापस भेजे गए अवैध अप्रवासियों की स्थिति ऐसे हो गई है कि अब 'वो ना घर के रहे ....न घाट के'।

एआई की सौगात : संभावनाएं और चुनौतियाँ

गिरीश्वर मिश्र

एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास और उपयोग की दिशा में वैज्ञानिकों और तकनीकविदों ने कमाल की बढ़त हासिल की है और उनके अभियान का क्रम लगातार जारी है। एआई बड़ा संक्रामक है और देश-काल की सीमाओं को तोड़ते-फलांघते वह जल, थल और अंतरिक्ष हर कहीं मनुष्य की अप्रत्याशित रूप से त्वरित पहुँच का विस्तार करता जा रहा है। वैसे तो एआई भी एक नैसर्गिक यानी स्वाभाविक मानवीय बुद्धि का ही करिश्मा है परंतु आज जिस गति से सबकुछ में निर्बाध दखल देते हुए इसके ज़रिए जो बदलाव लाए जा रहे हैं वे दुनिया का नक़्शा ही बदल रहे हैं। निर्माण अपने निर्माता की नियति तय करता दिख रहा है।

आज वर्चुअल और डिजिटल को इस तरह स्थापित किया जा रहा है कि उनके आगे सत्य और यथार्थ हिलने-काँपने लगा है। मनुष्य सत्य और असत्य (झूठ) पर भरोसा करता आ रहा है। सत्य अर्थात् वह जिसका अस्तित्व है (सत) परन्तु अब नाना प्रकार के सत्य अस्तित्ववान हो रहे हैं जिनमे अपनी पसंद से चुनना होता है पर जिस भी संस्करण के सत्य उभर रहे हैं उनके पीछे आ आई का हाथ ज़रूर होता है। वैसे तो किसी भी तरह के चुनाव का आधार मुख्य नियामक होता है ताकि होड़ लेते विभिन्न सत्यों के कई प्रत्याशियों के बीच असली या उपयोगी सत्य को खोज कर पहचाना जा सके। सत्य के साथ स्थिरता, निरंतरता और सातत्य या फिर अपरिवर्तनशीलता और विश्वसनीयता जैसे मानक भी स्वाभाविक रूप से जोड़ दिए जाते रहे हैं। परम और नित्य सत्य की परिकल्पना हमें ईश्वर के क़रीब पहुँचा देती है।

आज जब सत्य के निर्माण की छूट मिल रही है तो उसके कई परिणाम सामने आ रहे हैं। सारी क़ानूनी मशीनरी सत्य का बाजार चला रही है। वह प्रमाण और साक्ष्य के माध्यम से मुकदमा चलने के दौरान मुल्तबी सत्य को अपने बल पर सत्य के खाँचे में फिट कर देती है। वकील और गवाह मिल कर सत्य रचते और तय करते हैं और वह जज के सत्यबोध से मेल खा जाए तो वह सुच्चा या निखालिस सच बन जाता है। यह दृष्टि सत्य की अस्थिरता या सापेक्षिकता और अन्ततः बहुलता की तरफ़ ले जाती है जिसके अच्छे-बुरे दोनों तरह के परिणाम हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता बहुत आगे जा रही है। वह वास्तविक बुद्धिमत्ता के उपयोग के अवसरों और अभ्यासों को जिस तरह बदल रही है उससे हमारी आदतें, व्यवहार शैली और जीने का अंदाज़ सबकुछ बदलता जा रहा है। इस तरह का व्यापक नवाचार हमारी अपने बारे में समझ को भी बदल रहा है। मनुष्यता के स्वभाव, बच्चों के पालन-पोषण, पढ़ाई-लिखाई आदि मनुष्य के रूप में निर्माण जैसे जरूरी उपायों के स्वरूप को प्रभावित कर रहा है। जीवन में एआई प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हर तरफ़ उपस्थित है। पिछले कुछ दिनों में डीप फेक और साइबर अरेस्ट जैसी घटनाओं ने एआई के उपयोग के अतिरेक से पैदा हो रही तमाम मुश्किलों की ओर ध्यान आकर्षित किया है जिनका संबंध जीवन की गुणवत्ता से है। एआई की पहुंच का विस्तार या रेंज बढ़ता ही जा रहा है। निजी जीवन में उसकी दखल दुरभिसंधि, भयादोहन, अंतरराष्ट्रीय संघर्ष, आर्थिक घोटाले और व्यापार जगत सबको संत्रस्त करने वाला साबित हो रहा है।

एआई के उपयोग से काम में सुभीता, शीघ्रता और मात्रा को ध्यान में रखते हुए आज विभिन्न देशों में अपनी एआई की क्षमता बढ़ाने के लिए होड़ मची हुई है। भारत भी इसमें शामिल हो रहा है। औद्योगिक क्रांति जैसी क्रांति का लाभ न पाकर हम अब यह सोच रहे हैं कि एआई क्रांति से बड़ी लम्बी छलांग लगा लेंगे-यह आकर्षक पर ख़तरनाक हो सकता है।

कुछ दिन पहले भारतीय मूल के नोबल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक वेंकी रामकृष्णन ने जयपुर में बोलते हुए स्पष्ट रूप से एआई की संभावनाओं के साथ इससे जुड़े बड़े ख़तरों की ओर ध्यान खींचा, शायद उससे निपटने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता काफ़ी न होगी। उसके किए समानुभूति, इतिहास और संस्कृति की समझ की भी दरकार होगी। बिना उस व्यापक संदर्भ के हमारे समाधान छिछले, संकुचित और नुक़सानदेह हो सकते हैं। सबकुछ तकनीक विशारदों पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई के नैतिक और सामाजिक आयाम भी हैं। शिक्षा में वे मानविकी और विज्ञान परौद्योगिकी दोनों को महत्व देने की वकालत कर रहे थे। तकनीकी और मानविकी के बीच की खाई पाटी जानी चाहिए। एआई का नियंत्रित उपयोग वहां हितकारी हो सकता है वहां कार्य क्षमता, उत्पादकता आदि ज़रूरी हों। हमें पूरा सच देखना होगा। प्राचीन ऋषियों ने ऐसे ही नहीं कहा था कि स्वर्ण के ढक्कन से सत्य का मुख ढंका हुआ है- हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यासपिहितम् मुखम। अतीत से विच्छिन्न, मूलहीन सभ्यता की नई इबारत लिखने वाली सोच अधूरी है। उसके हिसाब से हम सब एक डाटा प्वाइंट होते जा रहे हैं। समाज और संस्कृति की स्मृति को मिटा देना बड़ी त्रासदी है। हमें इसके प्रति आगाह रहते हुए एआई के उपयोग को सीमित करना होगा। इसी में मनुष्य के भविष्य की गुंजाइश होगी।

स्वभाषा के बिना संस्कृति निष्प्राण

हृदयनारायण दीक्षित

ऋग्वेद के मनु, मिस्र के प्रथम राजा मेनस और यूनान (क्रीट) के प्रथम शासक मिनोस भाषा की दृष्टि से संस्कृत के और संस्कृति की दृष्टि से भारतीय तत्व हैं। इंग्लैंड की सभ्यता यूनान से प्रेरित है। उन्होंने लैटिन, ग्रीक, मिस्र से संस्कृति और सभ्यता के तत्व पाए। भारतीय संपर्क से उन्हें पुष्ट किया। अंग्रेजी स्वयं में व्यवस्थित भाषा नहीं है। संस्कृत के तमाम शब्द अंग्रेजी में हैं। संस्कृत का दिव्य ही अंग्रेजी का डिवाइन है। अंग्रेजी का ब्रदर संस्कृत का भ्रात है, फादर संस्कृत का पितृ है और मदर संस्कृत की मातृ है। गोदाम अंग्रेजी में गोडाउन है। पी.जी. सुब्बाराव ने 'इंडियन वर्ड्स इन इग्लिश' में ऐसे सैकड़ों दिलचस्प शब्दों की सूची दी है। अंग्रेजों ने जर्मन, फेंच से भाषा के संस्कार पाए, रोमन लिपि अपनाई।

भारतीय संस्कृति अति प्राचीन है। यूरोप की सभ्यता पर यूनानी प्रभाव है। यूनान जर्मनी से पहले सभ्य हुआ। भारत यूनान से पहले। यूनानी दर्शन ईसा के 500-600 वर्ष पहले शुरू हुआ। इसके सैकड़ों बरस पहले भारत का वैदिक दर्शन प्रसिद्धि प्राप्त कर चुका था। यूनानी सभ्यता की विकास भूमि क्रीट द्वीप है। क्रीट की कला के विश्लेषक रैनोल्ड हिगिंस के अनुसार ईसा के 2800 बरस पहले लघु एशिया के प्रवासी वहां सभ्यता ले गए। क्रीट के क्रोसोस नगर के प्रथम शासक मिनोस के नाम पर इसे 'मिनोअन सभ्यता 'कहा गया। मिकनी नगर यूनानी सभ्यता का केन्द्र बना। यह सभ्यता मखदूनिया, साइप्रस और इटली तक फैली। मिस्र से निकाले गए हुक्सोस मिकनी के शासक थे। टायनबी ने इन्हें आर्य व हिगिंस ने इन्हें भारतीय कहा। भाषा वैज्ञानिक वामपंथी विद्वान डॉ. रामविलास शर्मा ने बताया कि, आर्य भाषा बोलने वाले भारतीय मिनोअन-मिकीनियन राज्यों के संस्थापक थे। यूनानी सभ्यता, संस्कृति और दर्शन का विकास भारतीय सम्बंधों से हुआ।

ऋग्वेद के मनु, मिस्र के प्रथम राजा मेनस और यूनान (क्रीट) के प्रथम शासक मिनोस भाषा की दृष्टि से संस्कृत के और संस्कृति की दृष्टि से भारतीय तत्व हैं। इंग्लैंड की सभ्यता यूनान से प्रेरित है। उन्होंने लैटिन, ग्रीक, मिस्र से संस्कृति और सभ्यता के तत्व पाए। भारतीय संपर्क से उन्हें पुष्ट किया। अंग्रेजी स्वयं में व्यवस्थित भाषा नहीं है। संस्कृत के तमाम शब्द अंग्रेजी में हैं। संस्कृत का दिव्य ही अंग्रेजी का डिवाइन है। अंग्रेजी का ब्रदर संस्कृत का भ्रात है, फादर संस्कृत का पितृ है और मदर संस्कृत की मातृ है। गोदाम अंग्रेजी में गोडाउन है। पी.जी. सुब्बाराव ने 'इंडियन वर्ड्स इन इंग्लिश' में ऐसे सैकड़ों दिलचस्प शब्दों की सूची दी है। अंग्रेजों ने जर्मन, फ्रेंच से भाषा के संस्कार पाए, रोमन लिपि अपनाई।

भाषा विज्ञानी अलब्राइट व लैम्बिडन ने सुमेरी को प्राचीनतम लिखित भाषा बताया। इनके मुताबिक पश्चिम को सुमेरी ने प्रभावित किया। उन्होंने बताया अंग्रेजी 'ऐबिस' सुमेरी का अब्ज (पृथ्वी के नीचे का जल) है। यूनानी में वह अबुस्सास है। बेबीलोन में इसे अप्सु कहते हैं। लेकिन ऋग्वेद (1.23.19, 9.43.9 और 9.30.5 आदि) में जलवाची अप और अप्सु शब्द भरे पड़े हैं। मिस्त्री, सुमेरी और संस्कृत में भूतल जल पर एक शब्दावली है। ऋग्वेद पुराना है, जाहिर है कि संस्कृत ही सबसे पहले सृष्टि के आदि तत्व 'जल' की बोली बनी। विलियम जोन्स ने कहा कि, ''संस्कृत ग्रीक से अधिक निर्दोष, लैटिन से अधिक समृद्ध और इनमें किसी से भी अधिक उत्कृष्ट है। इसके बावजूद धातुओं और व्याकरणिक रूपों में यह इन दोनों से प्रगाढ़ सम्बंध रखती है, इतना प्रगाढ़ कि कोई भाषाविद् इनका एक ही स्रोत माने बिना छानबीन नहीं कर सकता।'' संस्कृत जाने बिना विश्व भाषा विज्ञान, विश्व भाषा परिवार, सृष्टि संरचना और विश्व सांस्कृतिक सम्बंधों का अध्ययन विश्लेषण संभव नहीं। भारत सांस्कृतिक तत्वों का भी निर्यातक था। पश्चिम एशिया में रूद्र-शिव की उपासना थी। गूर्ने ने 'दि हिटटाइटस' (पृष्ठ 134) में बताया कि वे हित्तियों के विशेष देवता थे, उनके अनेक रूप थे। सीरिया के शिल्प में वह परशु चलाते हुए बिजली कौधने के प्रतीक हैं। यूनानी (मिनोअन) संस्कृति में भी परशु खास प्रतीक हैं। इबान्स के मुताबिक यह परशु मिनोअन देवी और उसके पुरुष देवता का चिन्ह था। इसी परशु का उल्लेख ऋग्वेद में है। पश्चिमी भारत से दक्षिणी यूरोप, फिर उत्तरी यूरोप होते हुए परशु नाम का देव प्रतीक इंग्लैंड तक पहुंचा। अंग्रेजी विद्वान सम्भवतः नहीं मानते कि रुद्र का शिवत्व प्रागैतिहासिक काल में भी है। ऋग्वेद में वे अरुण-रूद्र हैं। वे जटाधारी भी हैं। यजुर्वेद में वे नमः शम्भवाय-नमः शिवाय भी हैं। जैसे सीरिया में वे बिजली कौधने के प्रतीक हैं वैसे ही उसके बहुत पहले ऋग्वेद (7.46.3) में वे आकाश से बिजली गिराते हैं। यहां उनसे अमृत्व की महामृत्युंजय स्तुति (7.59.12) है।

सभ्यता, संस्कृति, देवतंत्र, दर्शन, भौतिकी और आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का आदि केन्द्र भारत है। यूरोपीय विद्वान एच.एस. मेन ने लिखा था, बीजगणित, अंकगणित में पश्चिमी सहायता के बिना ही ऊंचे दर्जे की दक्षता है। दशमलव प्रणाली के अविष्कार का हम पर ऋण है। अरबों ने अंक हिन्दुओं से पाए, यूरोप में फैलाए। यूरोपीय चिकित्सा पद्धति 17वीं सदी तक अरबी चिकित्सा थी।

विलियम हंटर ने लिखा था कि, ''पश्चिम के विद्वान जब भाषा विज्ञान का विवेचन आकस्मिक समानताओं के आधार पर कर रहे थे, उस समय भारत में व्याकरण को मूल सिद्धांतों का रूप मिल चुका था।

सारा ज्ञान विज्ञान, संस्कृति दर्शन संस्कृत में है, हिन्दी में भी है। बावजूद इसके अंग्रेजी पर जोर है, अंग्रेजी का शोर है। सवाल यह है कि जो संस्कृत और हिन्दी काव्य, साहित्य, दर्शन, विज्ञान, प्रीति और प्रेम की सहज अभिव्यक्ति है, वही विज्ञान और व्यापार की सशक्त भाषा क्यों नहीं है?

भारत प्राचीनतम व अद्वितीय राष्ट्र है। मैक्समूलर ने लिखा, भारत के मानवी-मस्तिष्क ने कुछ सर्वोत्तम गुणों का पूर्ण विकास किया है। जीवन की बड़ी से बड़ी समस्याओं पर भारत द्वारा प्राप्त हल प्लेटो और कांट के दर्शन का अध्ययन किए हुए लोगों के लिए (भी) विचार करने योग्य है। यूनानी, रोमन और एक सेमेटिक जाति यहूदी के विचार मात्र पर पालित-पोषित यूरोप के हम लोग जीवन को अधिक परिपक्व, अधिक व्यापक, अधिक सार्वलौकिक, दरअसल सच्चे मानवीय बनाने के लिए भारत की ओर ही देखते हैं। भारतीय संस्कृति दर्शन की ऐसी प्रतिष्ठा पर गर्व करना चाहिए।

स्वाधीनता संग्राम की भाषा मातृभाषा हिंदी थी लेकिन नए प्रभुवर्ग अंग्रेजी को वरीयता देते रहे हैं। गांधीजी ने कहा था, ''अंग्रेजी ने हिंदुस्तानी राजनीतिज्ञों के मन में घर कर लिया है। मैं इसे अपने देश और मनुष्यत्व के प्रति अपराध मानता हूं।'' (संपूर्ण गांधी वांगमय 29-312) संस्कृति, सृजन और संवाद की भाषा हिंदी है। बावजूद इसके अंग्रेजी का मोह बढ़ा, अंग्रेजी स्कूल बढ़े, अंग्रेजी प्रभुवर्ग की भाषा बनी। हिंदी का अंग्रेजीकरण भी हुआ।

भारत, रूस और अमेरिका के बीच नए समीकरण

ललित मोहन बंसल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पेरिस और वॉशिंगटन दौरे के बाद आस बंधी है कि भारत में अनवरत विद्युत और गैस सप्लाई से आर्थिक विकास दर में वृद्धि होगी। एक समय उद्यमी अपने कल-कारखाने में उत्पादन कार्य से पहले अनवरत विद्युत सप्लाई के लिए भागदौड़ में जुटा रहता था। आज एक ओर क्लाइमेट चेंज के कारण कार्बन रहित विद्युत उत्पादन पर जोर दिया जा रहा है, वहीं आणविक विद्युत सप्लाई के लिए बड़े संयंत्र की जगह छोटे आणविक संयत्रों की मांग बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दौरे के पहले पड़ाव में पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति एमेन्युअल मैक्रो से द्विपक्षीय वार्ता में रिन्युअल एनर्जी के अंतर्गत छोटे आणविक संयंत्रों की सप्लाई पर अहम समझौता कर कार्बन रहित संस्कृति को गति दी है। इससे निःसंदेह मोदी के 'मेक इन इंडिया' मंत्र को नई दिशा मिलेगी, वहीं देश के विभिन्न राज्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर खड़े किए जा सकेंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए चौबीसों घंटे अनवरत विद्युत आपूर्ति की जरूरत होगी, जो डाटा सेंटर और विशाल कंप्यूटर सेंटर को सजीव रख सके। भारत के आर्थिक विकास में ऊर्जा के क्षेत्र में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति एक प्राथमिकता है। आने वाले दिनों में भारत की ऊर्जा, विशेषकर कच्चे तेल की माँग चीन से ज्यादा होगी। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की मानें तो निःसंदेह तीन सालों में भारत के कारोबार में वृद्धि होने से परिवहन और उद्योग में कच्चे तेल की माँग बढ़ेगी, एक तेजी से खड़ी होने वाली भारतीय इकॉनमी के लिए परिष्कृत ऊर्जा और और विद्युत ऊर्जा की जरूरत होगी। पेरिस आधारित इस एजेंसी के अनुसार भारत को मौजूदा 15.380 करोड़ बैरल से बढ़ कर 2030 में 16.640 करोड़ बैरल प्रतिदिन की जरूरत होगी। मोदी ने वार्ता के दौरान अगले पाँच सालों में विकसित भारत-2047 तक दोगुने व्यापार की उम्मीद जताई है। बता दें, मोदी और ट्रम्प वार्ता के दौरान व्यापार संधि में भारत ने अमेरिका से कच्चा तेल खरीदने पर सहमति जताई है। भारत अमेरिका से कितना तेल और गैस खरीदेगा, इस पर विचार जारी है। दुनिया में कच्चे तेल के आयात में चीन और अमेरिका के बाद भारत तीसरा बड़ा आयातक देश है।

मोदी-ट्रम्प वार्ता में ऊर्जा : कच्चे तेल पर आधारित भारतीय इकॉनामी को पाँच खरब की इकॉनामी बनने के लिए अमेरिका से होकर क्षितिज पर पहुँचना होगा। दुनिया में तेल के आयात में भारत तीसरा (10.1 ल) बड़ा देश है। भारत ने 2023-24 में 88ल तेल के आयात पर निर्भर रहा। 2023-24 में कच्चे तेल का बिल 139.3 अरब डॉलर था, जो भारत के कुल आयात मूल्य 678 डॉलर का 21 प्रतिशत कहा जा सकता है। इसमें तेल आधारित उत्पाद नहीं है। भारत खुद तेल आधारित उत्पाद बना कर यूरोपीय देशों को निर्यात करता है और 23.3 अरब डालर अर्जित करता है। इसमें एलपीजी 10.5 अरब डॉलर, 22.1 अरब डॉलर के हाई स्पीड डीजल और 11.2 अरब डॉलर मोटर स्पिरिट है। ऐसे में कच्चे तेल की क़ीमतें गिरती हैं, निश्चित तौर पर भारत लाभान्वित होगा।

अभी तक तेल की कीमतों को प्रभावित करने में खाड़ी में तेल उत्पादक देशों और ओपेक प्लस देशों में रूस, अमेरिका सहित ऐसे आधा दर्जन देश हैं, जो तेल का उत्पादन करते हैं। भारत में कच्चे तेल का उत्पादन अल्प मात्रा में हो पाता है, जबकि उसे अठासी प्रतिशत तक आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। भारत तेल की कीमतों को प्रभावित करने की स्थिति में भले नहीं रहा, वह भू-राजनैतिक कारणों से सऊदी, ईरान, इराक़ और यूनाइटेड अरब अमीरात, वेनेजुएला आदि देशों से कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति करता रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के से उपजी परिस्थितियों के कारण भारत ने राष्ट्रहित में मौजूदा निर्यातक देशों के कोटे में कटौती कर अधिकाधिक तेल रूस से खरीदना शुरू किया। रूस और भारत के रणनीतिक रिश्तों के कारण भारत में कच्चा तेल 15 से 20 डॉलर प्रति बैरल आयात किया जाता रहा है। शुरू में 2023-24 में 33 ल इराक़, 21ल सऊदी अरब, 16ल यूएई, 6.4 ल खाड़ी के ओपेक प्लस देशों में रूस और अमेरिका, दो बड़े देश हैं, जो दस लाख बैरल तेल प्रतिदिन निकालते हैं, हालांकि अमेरिकी जरूरतों को पूरा करने के लिए अमेरिका सऊदी अरब जैसे दोस्तों से तेल की आपूर्ति करता है। भारत ने यूएस से तेल के आयात पर सहमति देकर एक ओर अमेरिका से मित्रता का धर्म निभाया है, वहीं खाड़ी और रूस से आयात के मौजूदा कोटे में कमी कर देश को चुनौतियों के लिए आमंत्रण दिया है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रम्प कच्चे तेल का अधिकाधिक उत्पादन करना चाहते हैं। वह अपने तेल उत्पादकों से कहते हैं, 'ड्रिल बेबी ड्रिल' और दूसरी ओर मित्र देशों को उलाहना देते हुए कहते हैं, 'आओ, हमसे दोस्ती करो और तेल पाओ।'' अमेरिका ने 29023 में 19358 हज़ार बैरल प्रतिदिन उत्पादन किया, जो वैश्विक स्तर पर कुल उत्पादन का 20.1 ल है। ओपेक देशों का 35.3 ल और ओपेक + देशों रूस और मैक्सिको सहित 54ल है। ऐसे समय जब रूस अपनी जर्जर इकॉनामी को सुधारने के लिए भारत को सस्ते में तेल देने का प्रलोभन देता है, तो ग़लत नहीं है।

12 लाख से अधिक आय पर कैसे लगेगा टैक्स आप सांसद राघव चड्ढा ने बताया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नए बजट में 12 लाख रुपये तक की आय पर कर राहत दी है। लेकिन आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा ने कहा है कि सरकार केवल शब्द जाल में लोगों को बहलाने की कोशिश कर रही है। चड्ढा के अनुसार, 12 लाख रुपये से अधिक आय होने पर लोगों को अपनी पूरी आय पर टैक्स देना होगा।

बजट के बाद देश-विदेश में बढ़ गई मखाने की मांग

नई दिल्ली। बजट के बाद मखाने की कीमतें आसमान छू रही हैं। पिछले 10 दिनों में इनकी कीमत लगभग 32 प्रतिशत बढ़ गई है। कारोबारियों का का कहना है कि देश और विदेश के खरीदारों की बढ़ती मांग की वजह से ऐसा हुआ है। जनवरी में जहां मखाने का भाव 950 प्रति किलो था।

डीसीबी बैंक में जमा पैसे पर घट गया मुनाफा

● आरबीआई के फैसले का है असर

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते दिनों केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो रेट में कटौती के बाद अब बैंक भी जमा रकम पर ब्याज दरें कम करने लगे हैं। इनमें से एक लेंडर डीसीबी बैंक है। इस बैंक ने चुनिंदा अवधि के लिए 3 करोड़ रुपये से कम की सावधि जमा (एफडी) पर ब्याज दरें कम कर दी हैं। बैंक की वेबसाइट के मुताबिक एफडी

ब्याज दरों में 65 आधार अंक (बीपीएस) तक की कटौती की गई है। संशोधित दरें 14 फरवरी, 2025 से प्रभावी हैं।

क्या हुआ है बदलाव

संशोधन के बाद डीसीबी बैंक अब सामान्य नागरिकों के लिए 7 दिनों से लेकर 10 साल तक की अवधि के लिए 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी राशि पर 3.75 प्रतिशत और 8.05 प्रतिशत के बीच ब्याज दरें दे रहा है। एफडी पर 8.05 प्रतिशत की उच्चतम ब्याज दर 19 महीने से 20 महीने की अवधि पर दी जा रही है। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों के लिए बैंक 3 करोड़ रुपये से कम की राशि पर 4.25 प्रतिशत और 8.55 प्रतिशत के बीच ब्याज दे रहा है। बैंक 19 महीने से 20 महीने की अवधि पर 8.55 प्रतिशत की उच्चतम एफडी ब्याज दे रहा है। सामान्य नागरिकों के लिए बैंक ने 26 महीने से अधिक लेकिन 37 महीने से कम अवधि के लिए एफडी ब्याज दर 55 बीपीएस घटा दिया है। 37 से 38 महीने तक की अवधि के लिए बैंक ने एफडी ब्याज दर में 20 बीपीएस की कटौती की है। डीसीबी बैंक ने 38 महीने से अधिक लेकिन 61 महीने से कम अवधि के लिए एफडी ब्याज दर में 65 बीपीएस की कटौती की है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए 26 महीने से अधिक लेकिन 37 महीने से कम अवधि के लिए एफडी ब्याज दर में 55 बीपीएस की कटौती की गई है।

आरबीआई का फैसला

यह संशोधन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट को 6.50 प्रतिशत से घटाकर 6.25 प्रतिशत करने के बाद हुआ है। बता दें कि रिजर्व बैंक ने साल 2020 के बाद इस तरह की पहली कटौती की है। चूंकि रेपो रेट में कटौती से बैंकों की फंड की लागत कम हो जाती है तो यह बाद में उधार और जमा दरों को प्रभावित करता है। रेपो रेट कम होने से एफडी पर ब्याज दरें कम हो जाती हैं।

ईडी की पीएमएलए के तहत बड़ी कार्रवाई

1646 करोड़ रुपये के सबसे बड़े क्रिप्टो फंड को किया जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन जांच के तहत अब तक का सबसे बड़ा क्रिप्टो फंड जब्त किया है, जिसकी कीमत 1,646 करोड़ रुपये है। सुरक्षित निवेश के नाम पर कई जमाकर्ताओं को धोखा दिया गया था। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय जांच एजेंसी के अहमदाबाद कार्यालय ने शनिवार को बिटकनेक्ट लेंडिंग प्रोग्राम के तहत धोखाधड़ी के मामले में तलाशी अभियान चलाया, जिसके बाद 13.50 लाख रुपये नकद, एक एसयूवी कार और कई डिजिटल उपकरण (जैसे मोबाइल और कंप्यूटर) जब्त किए हैं। बिटकनेक्ट लेंडिंग प्रोग्राम बिना पंजीकरण के चल रहा था, जिसमें सिक्योरिटी की बिक्री और निवेश में धोखाधड़ी की गई। दरअसल, सूरत पुलिस की अपराध शाखा ने धोखाधड़ी की प्राथमिकी दर्ज की थी। आरोप है कि नोटबंदी के बाद नवंबर 2016 से जनवरी 2018 के बीच यह धोखधड़ी की गई। इसी प्राथमिकी के आधार पर ईडी ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

क्रिप्टो वॉलेट में किए गए लेन-देन का किया विश्लेषण

इसके बाद ईडी ने अपनी टीम के तकनीकी विशेषज्ञों को तैनात किया, जिन्होंने क्रिप्टो वॉलेट में किए गए लेन-देन का विश्लेषण किया और इन वॉलेट के मूल और उनको चलाने वालों का पता लगाया। पाया गया कि कई लेन-देन डॉर्क वेब के जरिए किए गए थे, ताकि इन्हें आसानी ट्रैक न किया जा सके।

अब तक की सबसे बड़ी डिजिटल संपत्ति की जब्ती

ईडी ने कई वेब वॉलेट की निगरानी की और जानकारी जुटाकर उन वॉलेट और स्थानों का पता लगाया, जहां क्रिप्टो करंसी मौजूद थी। सूत्रों के मुताबिक, कुल 1,646 करोड़ रुपये की क्रिप्टो करंसी जब्त की गई और इसे ईडी के विशेष क्रिप्टो वॉलेट में ट्रांसफर कर दिया गया है। यह अब तक की सबसे बड़ी डिजिटल संपत्ति की जब्ती है।

जालसाजों ने बनाया था वैश्विक नेटवर्क, दिया जाता था कमीशन

जांच में यह भी सामने आया कि बिटकनेक्ट के संस्थापक ने प्रमोटर्स का एक वैश्विक नेटवर्क बनाया हुआ था और उन्हें उनके प्रचार के लिए कमीशन दिया जाता था। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए बिटकनेक्ट ने दावा किया वह एक वोलैटिलिटी सॉफ्टवेयर ट्रेडिंग बोट (एक प्रकार का कंप्यूटर प्रोग्राम, जो बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का विश्लेषण करता है और निवेशकों के पैसे का इस्तेमाल करके ट्रेडिंग करता है) का उपयोग करके निवेशकों के फंड से 40 फीसदी तक मासिक रिर्टं हासिल करेगा। ईडी ने पाया कि ये दावे झूठे थे क्योंकि आरोपियों को पता था कि बिटकनेक्ट ने निवेशकों के फंड को ट्रेडिंग बोट के जरिए ट्रेड नहीं किया, बल्कि उन्होंने इन फंड को अपने सहयोगियो के लाभ के लिए अपने क्रिप्टो वॉलेट में ट्रांसफर कर दिया।

अनिल अंबानी की कंपनी का बढ़ा घाटा

शेयर से भी भारी-भरकम नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की कंपनी-रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में कंपनी का घाटा बढ़कर 3,298.35 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले साल समान तिमाही में कंपनी का घाटा 421.17 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने कहा कि उसकी कुल आमदनी चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बढ़कर 5,129.07 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4,717.09 करोड़ रुपये थी। कंपनी का खर्च तिमाही में घटकर 4,963.23 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,068.71 करोड़ रुपये था।

7 प्रतिशत से ज्यादा टूटा शेयर

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर की बात करें तो यह 7 फीसदी से ज्यादा टूटकर 250 रुपये के नीचे आ गया। कारोबार के अंत में 6.54 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। जून 2024 में शेयर की कीमत 143.70 रुपये के निचले स्तर तक आ गई थी। पिछले साल सितंबर के महीने में शेयर 350.90 रुपये के उच्चतम स्तर तक आ गया।

नौकरीपेशा लोगों को एक और तोहफा देगी मोदी सरकार, टैक्स के बाद अब पीएफ पर होगा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। इनकम टैक्स पर राहत के बाद नौकरीपेशा लोगों को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार एक और बड़ा तोहफा देने वाली है। दरअसल, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन 28 फरवरी को अपने केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की बैठक में 2024-25 के लिए भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को बदल सकती है। सूत्रों के मुताबिक बैठक में 2024-25 के लिए पीएफ डिपॉजिट पर ब्याज दर को 8 प्रतिशत से ज्यादा और पिछले साल के लिए घोषित 8.25 प्रतिशत के करीब बरकरार रखा जा सकता है। बता दें कि किसी भी वर्ष के लिए पीएफ जमा पर ब्याज दर पहले इपीएफओ द्वारा सुझाई जाती है और फिर सीबीटी द्वारा अधिकृत की जाती है। इसे नोटिफाई करने से पहले वित्त मंत्रालय द्वारा मंजूरी जरूरी है। इसके बाद ब्याज राशि बाद में ईपीएफओ ग्राहकों के खातों में जमा की जाती है।

65 मिलियन से अधिक ग्राहक- बता दें कि ईपीएफओ के 65 मिलियन से अधिक ग्राहक हैं। कर्मचारी अपना पीएफ बैलेंस चेक करने के लिए अपने स्मार्टफोन पर उमंग ऐप का उपयोग कर सकते हैं। यदि आप यूएएन साइट पर रजिस्टर्ड हैं। आप अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से 011-22901406 पर मिस्ड कॉल करके जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि आपके बैंक खाते की जानकारी, आधार और पैन आपके यूएएन में शामिल हैं। यदि आपका यूएएन ईपीएफओ के साथ रजिस्टर्ड है तो आप 7738299899 पर एक एसएमएस भेजकर पीएफ के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

इनकम पर भी राहत- बीते एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सुस्त पड़ती आर्थिक वृद्धि को गति देने के मकसद से मध्यम वर्ग को इनकम टैक्स पर बड़ी राहत दी थी। इसके तहत 12 लाख रुपये की सालाना आय पर टैक्स छूट की घोषणा की गई। सीतारमण ने नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग को बड़ी राहत देते हुए 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय को पूरी तरह से आयकर से छूट देने की घोषणा की। आयकर छूट नई कर व्यवस्था का विकल्प चुनने वाले आयकरदाताओं को मिलेगी। वेतनभोगी करदाताओं के लिए 75,000 रुपये की मानक कटौती के साथ अब 12.75 लाख रुपये तक कोई कर नहीं लगेगा। उन्होंने कर स्लैब में भी बदलाव किया है। इससे 25 लाख रुपये तक सालाना कमाने वालों को कर में 1.1 लाख रुपये की बचत होगी।

आईआईएम से की पढ़ाई, मोटी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़ शुरू किया अपना काम, अब बरस रही दौलत

नई दिल्ली, एजेंसी। आईआईएम अहमदाबाद के छात्र रहे अंशु शर्मा हाइपरलोकल ई-कॉमर्स स्टार्टअप मैजिकपिन के संस्थापक हैं। यह देश का तीसरा सबसे बड़ा फूड डिलीवरी ऐप बन गया है। कंपनी ओएनडीसी नेटवर्क के जरिये रोजाना 1.5 लाख फूड और लॉजिस्टिक्स ऑर्डर पूरे करती है। ओएनडीसी का मतलब होता है- ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में 870 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल किया। आइए, यहां अंशु शर्मा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

2015 में शुरू किया अपना वेंचर - अंशु शर्मा ने 2015 में मैजिकपिन की नींव रखी थी। उन्होंने 2004 में आईआईएम अहमदाबाद से एमबीए पूरा किया। फिर मोटोरोला और बैन एंड कंपनी जैसी कंपनियों के साथ जुड़ गए।

यहां वह काफी अच्छे पैकेज पर काम कर रहे थे। इसके बाद वह लाइटस्पीड इंडिया पार्टनर्स एडवाइजर्स में वेंचर पार्टनर बने। मैजिकपिन को ऑफलाइन रिटेल के लिए एक

डिस्कवरी प्लेटफॉर्म के रूप में शुरू किया गया था। यह एक हाइपरलोकल स्टार्टअप है जो ब्रांड्स और व्यवसायों को अपनी विजिबिलिटी और कनेक्शन बढ़ाने में मदद करता है। ऐसा यूनिवर्सल प्लेटफॉर्म के जरिये उनकी मांग को बढ़ाकर किया जाता है जिसके साथ स्थानीय ग्राहक जुड़ सकते हैं। ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स पर मैजिकपिन बड़ा विक्रेता ऐप है।

1.5 लाख ऑर्डर करते हैं पूरे - अंशु शर्मा की मैजिकपिन ओएनडीसी नेटवर्क के जरिये रोजाना 1.5 लाख फूड और लॉजिस्टिक्स ऑर्डर पूरे करती है। इसने फूड डिलीवरी के लिए प्रमुख ब्रांड्स जैसे फासोस, ओवन स्टोरी, मैकडॉनल्ड्स, बर्गर किंग, पिज्जा हट, बारबेक्यू नेशन, बरिस्ता और वाह! मोमो के साथ साझेदारी की है। दिसंबर 2024 में यह क्विक फूड डिलीवरी की दौड़ में शामिल हो गई। स्टार्टअप की 15 मिनट की फूड डिलीवरी सेवा को मैजिकनाउ कहा जाता है। लॉन्च के अपने पहले महीने में इसने 2,00,000 ऑर्डर पूरे किए।

श्री मंदिर ऐप भारत की 6 लाख करोड़ की मंदिर अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से

अंतर्राष्ट्रीय मंदिर सम्मेलन और एक्सपो में मंदिर प्रौद्योगिकी भागीदार के रूप में हुआ शामिल

मुंबई, एजेंसी। एक ऐतिहासिक सहयोग के तहत, श्री मंदिर, भारत के प्रमुख भक्ति तकनीक मंच को अंतर्राष्ट्रीय मंदिर सम्मेलन और एक्सपो (आईटीसीएक्स) 2025 का आधिकारिक मंदिर प्रौद्योगिकी भागीदार घोषित किया गया है।

यह विश्व का सबसे बड़ा आयोजन है, जो मंदिर प्रशासन और प्रबंधन को समर्पित है। आईटीसीएक्स 2025 का आयोजन टेम्पल कनेक्ट द्वारा अंत्योदय प्रतिष्ठान के सहयोग से किया जा रहा है और यह 17 से 19 फरवरी तक तिरुपति के आशा कन्वेंशन्स में आयोजित होगा। इस भव्य आयोजन में 58 देशों की 1581 से अधिक धार्मिक संस्थाएं हाइब्रिड रूप में भाग लेंगी। 'मंदिरों के महाकुंभ' के रूप में प्रसिद्ध इस सम्मेलन में 111 से अधिक वक्ता, 15 से अधिक कार्यशालाएं और ज्ञान सत्र, तथा 60 से अधिक स्टॉल शामिल होंगे। यह आयोजन डिजिटल परिवर्तन, स्थिरता और आधुनिक मंदिर प्रबंधन को बढ़ावा देने पर केंद्रित रहेगा।

मंदिर अर्थव्यवस्था, जिसकी अनुमानित मूल्य 6 लाख करोड़ से अधिक है, भारत में आध्यात्मिक पर्यटन और धार्मिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण आधार है। आईटीसीएक्स 2025 इस क्षेत्र को सशक्त बनाने में एक प्रमुख भूमिका निभाएगा, जिससे मंदिर प्रबंधन, नीति निर्माताओं और उद्योग विशेषज्ञों के बीच वैश्विक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य मंदिर संचालन को आधुनिक और सुव्यवस्थित बनाना है, ताकि बढ़ती आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके। प्रमुख चर्चाओं में एआई-आधारित मंदिर प्रबंधन, मंदिर निधियों के लिए फिनटेक समाधान, सतत ऊर्जा उपयोग, भीड़ नियंत्रण तकनीक, और भक्तों के अनुभव को समृद्ध बनाने वाले डिजिटल उपकरणों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह पहल धार्मिक पर्यटन बाजार को और अधिक सुदृढ़ करेगी, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग ?20,000 करोड़ है। इस वर्ष के सम्मेलन में भारत के सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों की भागीदारी होगी, जिनमें तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर (टीटीडी), काशी विश्वनाथ, शिरडी साईं बाबा मंदिर, सिद्धिविनायक मंदिर, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग और पद्मनाभस्वामी मंदिर शामिल हैं।

छावा के एलबम लॉन्च में ए.आर. रहमान की बेहतरीन परफॉर्मेंस ने जीता लोगों का दिल

मुंबई, एजेंसी। एक भव्य म्यूज़िकल कार्यक्रम में एकेडमी अवार्ड विजेता कंपोज़र, ए.आर. रहमान ने छावा के अत्यधिक प्रतीक्षित एलबम का लॉन्च किया। इस अवसर पर उन्होंने ताकत, भावनाओं और ऐतिहासिक भव्यता का प्रदर्शन करते हुए एक जबरदस्त परफॉर्मेंस भी दी। एलबम के अनावरण के मौके पर फिल्म के कलाकार विकी कौशल और रश्मिका मंदाना, डायरेक्टर लक्ष्मण उटेकर, प्रोड्यूसर दिनेश विजान, और प्रोजेक्ट की क्रिएटिव टीम भी मौजूद थी। इस संगीत संध्या के अवसर पर ए.आर. रहमान ने मीठे गीतों और भव्य व्यवस्थाओं के साथ अपने सिग्नेचर स्टाईल में संगीत का ऐसा माहौल बना दिया, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले दिनेश विजान द्वारा निर्मित और लक्ष्मण उटेकर द्वारा निर्देशित छावा की वर्ल्डवाईड रिलीज़ 14 फरवरी, 2025 को हो गई है। दिग्गज संगीतकार, ए.आर. रहमान ने कहा कुछ फिल्में केवल कहानियाँ नहीं होती हैं। वो धड़कते दिल की गर्जना होती हैं। छावा उन्हीं में से एक है। मुझे लक्ष्मण उटेकर, दिनेश विजान, विकी कौशल, रश्मिका मंदाना और अपनी बेहतरीन म्यूज़िकल टीम के साथ इस फिल्म का स्कोर, बीजीएम और गाने बनाने में बहुत मजा आया।

स्वास्थ्य और नवाचार में नई क्रांति

हर्बलाइफ इंडिया और आईआईटी मद्रास ने मिलकर शुरू की प्लांट सेल फर्मेंटेशन टेक्नोलॉजी लैब

मुंबई, एजेंसी। प्रमुख स्वास्थ्य और वेलनेस कंपनीहर्बलाइफने अपने सीएसआर पहल के तहतभारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रासके साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहतहर्बलाइफ-आईआईटीएम प्लांट सेल फर्मेंटेशन

टेक्नोलॉजी लैबकी स्थापना की जाएगी। यह समझौताआईआईटी मद्रासमें संपन्न हुआ, जिसमेंहर्बलाइफ इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर अजय खन्नाऔरआईआईटी मद्रास के डीन (एल्युमिनाई और कॉरपोरेट रिलेशंस) प्रो. अश्विन महालिंगमसहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

यह साझेदारी भारत सरकार की 'बायो-ई3' नीति के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य भारत को जैव-विनिर्माण (बायोमैन्युफैक्चरिंग) के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना और प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को साकार करना है।यह लैब न केवल नवाचार (इनोवेशन) को बढ़ावा देगी, बल्कि वेलनेस क्षेत्र में क्षमता निर्माण और उद्योगों के सहयोग को भी सशक्त बनाएगी। साथ ही, यह उद्यमशीलता (एंटरप्रेन्योरशिप) को प्रोत्साहित करने में भी मदद करेगी।

'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस - हर्बलाइफ प्लांट सेल फर्मेंटेशन टेक्नोलॉजी लैब'मुख्य रूप से उच्च गुणवत्ता वाले हर्बल कच्चे माल और फाइटोकेमिकल्स के लिए स्थायी (सस्टेनेबल) समाधानों पर केंद्रित होगी। यह केंद्रप्लांट सेल फर्मेंटेशन तकनीकका उपयोग करके टिकाऊ हर्बल सामग्री का उत्पादन करेगा, जिससे उच्च गुणवत्ता वाले फाइटोकेमिकल्स सुनिश्चित किए जा सकें। इसके अलावा, न्यूट्रास्युटिकल्स, कॉस्मेटिक्स और आयुष फॉर्मूलेशनमें नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल सीधेसंयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों में योगदान देगी।

इस सहयोग का उद्देश्य प्लांट सेल तकनीक का उपयोग कर नियंत्रित परिस्थितियों में औषधीय पौधों की 'इन-विट्रो' खेती को सक्षम बनाना है, जिससे पूरे साल शुद्ध और जैव-सक्रिय (बायोएक्टिव) सामग्री की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।इसके अलावा, एडवांस्ड बायोरिएक्टर तकनीकके माध्यम से कम जगह में बड़े पैमाने पर उत्पादन संभव होगा।

सार-समाचार

प्रेम पीठ बांके बिहारी मंदिर के पीठाधीश ललित मोहन आचार्य के निधन पर अंतिम यात्रा में विधायक सहित हजारों लोग हुए सम्मिलित

तिजारा (नि.सं.)। कस्बे के बांके बिहारी पीठाधीश ललित मोहन आचार्य का शनिवार को जयपुर में अस्पताल में अंतिम सांस ली। चेतन आचार्य ओझा ने बताया कि ललित मोहन आचार्य घर में पैर फिसल गया था। जिससे फैक्चर हो गया था। जिसका उपचार जयपुर में चल रहा था। शनिवार को उपचार के दौरान निधन हो गया। रविवार को तिजारा कस्बे उनके निधन का सामचार सुनते ही श्याम भक्तों में मातम छा गया। ब्रजमंडल आसपास के श्याम भक्त दर्शन करने के लिए अंतिम यात्रा में सम्मिलित हुए। दोपहर के 12 ललित मोहन आचार्य के बेटे चेतन आचार्य ओझा ने अग्नि दी। अंतिम संस्कार में विधायक बालकनाथ, रामगढ़ विधायक सुखवंत,पूर्व विधायक संदीप यादव, प्रधान जयप्रकाश यादव, महंत जस्सू महाराज, फिरोजपुर सभापति मनीष जैन नरेश जैन, मनीष शर्मा, सैनी समाज के प्रधान कृष्ण सैनी, रमाशंकर ओझा, पार्षद प्रीतम दायमा, पार्षद अनिल बंसल, अमर शर्मा, राकेश शर्मा, जितेंद्र शर्मा, रामलीला कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राजू सैनी, जसवंत सैनी सहित हजारों लोग सम्मिलित हुए।

गौशाला में 50 मण चारा व 300 किलो गुड़ किया दान

कोटकासिम (नि.सं.)। रविवार को कस्बे के रेवाडी रोड़ आलमपुर स्थित शिव गौरक्ष धाम गौशाला में गौभक्तों द्वारा 50 मण चारा व 300 किलो गुड़ दान किया गया। गौशाला निदेशक रिंकू गुर्जर ने बताया कि युवा कमेटी खेड़ा मुरार द्वारा करीब 16 हजार रुपये का 50 मण चारा गौशाला में दान किया गया। वहीं सैदपुर भिवाड़ी के रवि दायमा, अरविंद छोकर व गोविंद यादव ने गौमाता के लिए 300 किलो गुड़ दान किया है तथा अगले सप्ताह 50 मण चारा और देने की घोषणा की। इसके साथ ही गौशाला संचालक राकेश पंडित ने आस-पास के गावों में जाकर ग्रामवासियों से गौशाला में बीमार व दुर्घटनाग्रस्त गौमाताओं के लिए चारा, दवाई इत्यादि की मदद देने की गुहार लगाई। गौमाता के प्रति इन भामाशाहों की भक्ति व प्रेम सराहनीय है। इसके लिए गौशाला परिवार ने दोनो टीमों का आभार व्यक्त किया।

शीशराम यादव महासचिव एवं इकबाल खान सचिव नियुक्त

अलवर (का.सं.)। जिला कांग्रेस कमेटी अलवर के जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कांग्रेस संगठन में पदाधिकारियों को नियुक्त किया है। कांग्रेस प्रवक्ता रिपु दमन गुप्ता ने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह, राजस्थान विधानसभा सभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की अनुशंसा पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने जिला संगठन को ओर अधिक सक्रिय एवं सुदृढ़ करने के लिए दूघेडा, बहरोड़ निवासी शीशराम यादव को जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव पद पर और लक्ष्मणगढ़ निवासी इकबाल खान को जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव पद पर नियुक्त किया है और दोनो पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वो कांग्रेस के रीति नीति एवं सिद्धांतों में पूर्ण आस्था रखते हुए जिला स्तर पर पार्टी संगठन को मजबूती प्रदान करते हुए अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे।

विधायक बाबा बालकनाथ ने की जनसुनवाई

तिजारा (नि.सं.)। रविवार को तिजारा विधायक मंहत बालकनाथ महाराज ने कार्यालय में जनसुनवाई की। मौके पर बड़ी संख्या में नागरिक बिजली पानी रोड को लेकर विधायक बाबा बालक नाथ को अवगत कराया। जिस पर विधायक ने सुनवाई कर मौके पर अधिकारियों को समस्या निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान भाजपा नेता देशपाल यादव, करण सिंह यादव, बुधन पटेल, सरपंच रघुवीर यादव , नीरज चावड़ा सहित लोग मौजूद रहे।

आज का राशिफल

मेष अपनी श्रेष्ठ कार्यप्रणाली के बल पर सबके सिरमोर बनेंगे। कर्म करने बाले लाभ प्राप्त करेंगे।	**तुला** चिंताओं से दिन प्रारम्भ होगा।दोपहर के बाद अच्छी सूचना मिलने से मन प्रसन्न होगा।
वृषभ कार्यों में उपस्तिथि देने का अवसर मिलेगा पशु, पक्षी,जीव-जंतु से कष्ट हो सकता है।	**वृश्चिक** आज व्यवसायिक मुसीबतों का दौर आज रूकेगा।नये कार्यो की रुरेखा का चिंतन होगा।
मिथुन आज रोगभय हो सकता है।धन लाभ के योग भी बन रहे है।शत्रुयों में वृद्धि होगी।	**धनु** पुराने रुके कार्य पूर्ण होंगे।कानूनी कार्यो में सफलता प्राप्त होगी।आर्थिक लाभ होगा।
कर्क आज वस्त्रलंकार के नवीन साधन प्राप्त होंगे।राज्यसेवा के कार्यो में सफलता मिलेगी।	**मकर** वाणी शक्ति से लोगो से अपने कार्य निकालने में सफल होंगे। दायित्व मिल सकता है।
सिंह सर्व प्रगति की योग है। सम्मान में वृद्धि होगी। वित्त लाभ मिलेगा। इंटीरियर का कार्य होगा।	**कुंभ** आज मानसिक क्लेश हो सकता है।देहपीड़ा होने की पूरी सम्भवना है।आर्थिक लाभ भी पूर्ण है।
कन्या विभिन्न प्रस्ताव आपके समक्ष होंगे, पर आप सभी प्रस्ताव के सम्बंध में निर्णय की दुविधा में रहेंगे।	**मीन** आज आपका विजय दिवस है।कार्यसिद्धि प्राप्त होगी।पारिवारिक मजबूती को बल मिलेगा।

वार्षिक कार्यक्रम महाकुंभ-2025 आयोजित

अलवर (का.सं.)

जिले के राजगढ़ कस्बे के कोठीनारायणपुर में स्थित राव ग्रुप का वार्षिक उत्सव महाकुम्भ 2025 धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यकम के मुख्य अतिथि हेमसिंह भडाना, पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारी युवा पीढी को हमारी सभ्यता संस्कृति से प्रेरणा प्राप्त कर आगे बढना चाहिए तथा स्थानीय भाषा का भी प्रयोग करना चाहिए। कार्यक्रम के अति विशिष्ट कमाण्डेन्ड एस.एस.बी डेरा रेणी डॉ0 देवशीष त्रिपाठी ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि छात्र के जीवन में अनुशासन व स्वास्थय के प्रति जागरूक होना आवश्यक है तथा साथ ही कहा की हमे बाबा भीमराव अम्बेडकर द्वारा दिये गये विचारो को अपने जीवन मे पालना करना चाहिए। डॉ. सत्यभान यादव प्राचार्य वाणिज्य कॉलेज अलवर ने कहा कि परीक्षा का समय है समय को मनेजमेण्ट कर अपने भविष्य को सवारे। आर.सी मीना सेवानिवृत आई.ई.एस ने बताया कि बच्चे देश का भविष्य है संस्था द्वारा मुक-बधीर बच्चों को संस्था में प्रवेश देने पर बधाई और हमे आगे भी विश्वास है कि संस्था ऐसा काम करती रहेगी इससे पहले सभी मेहमानो ने माँ सरस्वती पर दीप प्रज्वलन किया। विद्यार्थियो ने सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभआरम्भ किया। राव शिक्षा समिति की सचिव डॉ. सवित्रा यादव ने संस्था का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया बताया कि संस्था शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी की शिक्षा दे रही ही। विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में 1760 बच्चे अध्ययनरत है। विशेष छात्रवृति योजना के 325 हॉस्टल में रहकर अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहे है। जो राजस्थान के सभी जिलो के छात्र/छात्राए है। कार्यकम मे आदिवासी क्षेत्र प्रतापगढ-बासवाडा के गीत, डांग क्षेत्र करौली के गुर्जरवाटी गीत प्रस्तुत कर छात्रो ने अभिभावको व अतिथियो का मन मोह लिया। किड्जी स्कूल नारायण विहार के छात्रो ने भी शानदार प्रस्तुती दी। राजस्थान के सर्वश्रेष्ठ एथेलिटिकस लव कुमार मीना जो राव एज्यूकेशन एकेडमी का 12 वीं का छात्र है को सम्मानित किया। साथ ही अन्य प्रतिभावान छात्र व छात्राओं को सम्मानित किया गया अध्यापकों को सम्मानित किया गया। राव एज्यूकेशन एकेडमी के संस्थापक प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय राजगढ ने अपने सम्बोधन में अभिभावकों का धैर्य रखने की बात कही। साथ ही संस्था द्वारा संस्कार युक्त शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी शिक्षा देने पर बधाई दी। कार्यक्रम में राजगढ शहर से पधारे लोकेश रावत, अजय यादव, पी.डी शर्मा पदमा गोयल, प्रीति विजय बी.जे.पी राजगढ ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश दीक्षित, नरूका, कपिल शर्मा, राजगढ कॉलेज के प्रोफेसर साहिबान स्टाफ मैम्बर्स, अभिभावक आदि थे। कार्यक्रम का संचालन लाएन एल.एन. वर्मा ने किया।

मंत्री संजय शर्मा के जन्मदिवस पर अनेक संगठनों ने किया पौधारोपण

अलवर (का.सं.)

शहर विधायक एवं वन एवं पर्यावरण मंत्री राजस्थान सरकार संजय शर्मा के जन्मोत्सव के अवसर पर रविवार को स्कीम नं. 2, स्थित एवं राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (डिस्पेंसरी) पर पुरुषार्थी समाज द्वारा 11 वृक्ष रोपित किये गये एवं पूर्व में लगाए गए पौधों की संभाल की गई। इस अवसर पर पुरुषार्थी समिति के अध्यक्ष कुलदीप कालरा, बलदेव अरोड़ा, अशोक आहूजा, महेश खत्री, अजय सहगल, हरीश मनचंदा, संदीप कालरा, सचिन भाटिया, रवि नारंग, नवीन, राधा रमन जी एवं समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वहीं सामान्य चिकित्सालय टीम द्वारा 51 पेड़ लगाए गए। जिसमें राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ भामसं जिलाध्यक्ष पुष्पराज शर्मा ने बताया कि प्रत्येक कर्मचारी द्वारा नीम, पीपल, अशोक एवं फलदार पेड़ लगाए गए। इसके साथ प्रदेश सचिव यश जोशी द्वारा फल वितरण कार्यक्रम भी किया गया। जिसमें अनिल शर्मा, चेतन शर्मा, गिरीश उपाध्याय, के के शर्मा, अभिषेक शर्मा , सुनील तिवारी, यक्ष जोशी, अखिल शर्मा, सुनील सैनी, विकास उपाध्याय, ऋषभ शर्मा, आलोक शर्मा, कुश पाराशर, गुड्डु सैनी आदि मौजूद थे।

वहीं शहर विधायक व वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के राज्य मंत्री संजय शर्मा के जन्मदिवस पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत हसन का मेवात नगर डी ब्लॉक पार्क के अंदर पौधारोपण का कार्यक्रम भाजपा युवा मोर्चा अलवर दक्षिण जिला उपाध्यक्ष व पूर्व मंडल अध्यक्ष, भाजपा अलवर शहर बूथ नंबर 7 के अध्यक्ष विनोद यादव के नेतृत्व में किया गया, जिसमें निम्न लोग उपस्थित रहे। पल्लीवाल जैन महासभा के जिला अध्यक्ष विमल जैन, शिवाजी जन कल्याण समिति अध्यक्ष पूरणसिंह तँवर, लक्ष्मीनाथ शर्मा, रमाकांत शर्मा, सूरजभान सुटवाल, हरि मोहन गुप्ता, नरेश बाला, नीलम सारस्वत, अनमोल यादव, विजय गोयल, बजरंग लाल सिंघल, दीपक कुमार, जुबेर खान, असलम खान, महेंद्र कुमार, जितेंद्र कुमार, देवेश अग्रवाल, सचिन पंडित, निरंजन निधेडिया आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वन प्रशिक्षण केंद्र अलवर में जारी 120वें वनरक्षक प्रशिक्षण सत्र की 47 महिला वनरक्षक प्रशिक्षुओं तथा अन्य फील्ड स्टाफ द्वारा वन प्रशिक्षण केंद्र नारायण विलास एवं गुरु जी की कोठी में 51 पौधे रोपित किए गए। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की बाह्य गतिविधियों में शामिल सामुदायिक कल्याण एवं श्रमदान तथा नेचर व इको क्लब गतिविधि के तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राजपूत समाज के द्वितीय सामूहिक वैवाहिक सम्मेलन में 27 जोडे बंधे परिणय सूत्र में

अलवर (का.सं.)। नौगावाँ तहसील की ग्राम पंचायत रसगण के अलावलपुर गांव में रविवार को राजपूत समाज का द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन श्री बाबा नथ्थूराम मंदिर परिसर में आयोजितकिया गया। कार्यक्रम में 27 जोड़ों ने एक साथ विवाह बंधन में बंधकर नई जिंदगी की शुरुआत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, समाजसेवी मनोज महाशय एवं राजबीर सिंह रहे। विधायक सुखवंत सिंह ने सभी नवविवाहित जोड़ों को नवदाम्पत्य जीवन की शुरुआत करने पर बधाईया एवं आशीर्वाद दिया। सामूहिक विवाह का सबसे सकरात्मक पहलू यह रहा कि एमबीबीएस डॉक्टर प्यारेलाल पुत्र जीवन सिंह राजपूत ने भी सामुहिक वैवाहिक सम्मलेन में विवाह कर समाज को एक दिशा प्रदान की । राजपूत समाज सेवा समिति के अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने बताया कि समिति का मुख्य उद्देश्य समाज में फैली कुरीतियों और दहेज प्रथा को समाप्त करना है। विधायक सुखवंत सिंह ने कहा कि यदि समाज के सक्षम लोग भी इसी तरह सामूहिक विवाह में भाग लेंगे, तो यह दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों को खत्म करने में मददगार साबित होगा। उन्होंने इस मंच को एक बेहतरीन पहल बताया, जहां लोग अपने बच्चों के लिए जीवनसाथी चुन सकते हैं और सादगीपूर्ण तरीके से विवाह संपन्न करा सकते हैं। इस दौरान रवि कपूर, प्रवेश गुर्जर, भीमचेतीवाल, गोपाल, रवि अमरजीत सिंह, जय सिंह, भूपेंद्र सिंह, राजेंद्र सोनी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में चिकित्सकों का सम्मान, 345 मरीजों की नि:शुल्क चिकित्सा

अलवर (का.सं.)

नेक कमाई फाउंडेशन की ओर से उपचार मेडिसन के सहयोग से रविवार को पुरुषार्थी धर्मशाला में नि: शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा ओर एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा ओर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र शर्मा ने द्वीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर मुखय चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र शर्मा ने कहा कि जरूरतमंद की सेवा में समाजिक संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। नेक कमाई फाउंडेशन महिलाओं के स्किल डवलपमेंट ओर उनके विकास की दिशा में बेहतर कार्य कर रहा है जिसका कन्यादान कार्यक्रम पूरे प्रदेश में अग्रणी है। नेक कमाई फाउंडेशन अब चिकित्सा के क्षेत्र में कई अनुकरणीय कार्य कर रहा है। शिविर में 345 मरीजों का निशुल्क इलाज किया गया और उन्हें दवाइयां दी गई। नेक कमाई के मुख्य कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने बताया कि शिविर में आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. पवन शेखावत, डॉ. मुरारी लाल भारद्वाज, डॉ. बिशन चंद सैनी, डा. मुकेश प्रजापत, डॉ. अनिल जैन, डॉ. रेणु ग्रोवर और डॉ. रीटा ग्रोवर सहित एक्यूप्रेशर व चुंबक चिकित्सक डा. अशोक राजा जोशी व मनन जोशी सहित सीकर से आए आनंद योगी को सममानित किया गया। शिविर के संयोजक डॉ. बी. बी. गौतम थे। शिविर में संरक्षक मंजू चौधरी अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया और दौलत राम हजरती ने नेक कमाई के कार्यों की जानकारी दी। आभार व्यकत प्रो. जी. डी. मेहंदीरता ने किया। इस अवसर पर चिकित्सकों और अन्य सेवा भावी कार्य करने वालों को मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र शर्मा, पुरुषार्थी धर्मशाला समिति के अध्यक्ष प्रेम गांधी, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष रमेश जुनेजा, गौनंदी सेवा समिति के अध्यक्ष सौरभ कालरा, धर्मशाला समिति के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र आहूजा, मेव समाज जागृति संगठन के प्रदेशाध्यक्ष गफूर खान, भाजपा नेता हरिराम यादव, शिविर संयोजक डॉ. बी. बी. गौतम और नेक कमाई महिला सेल की ओर से सोनिका अरोड़ा ने स्वागत किया। मंच संचालन गुरप्रीत सिंह और सौरभ कालरा ने किया। शिविर में कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने इसकी सफलता के लिए सभी को बधाई दी। शिविर में डा. गोपाल रॉय चौधरी ट्रस्ट, खानचंद चिमनी बाई हजरती ट्रस्ट ओर आलमचंद भागवंती देवी भाटिया ट्रस्ट का सहयोग रहा। अंत में नेक कमाई की ओर से सोनिका अरोड़ा ने आभार जताया।

गोपाल जायसवाल बने राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष

अलवर (का.सं.)। वरिष्ठ समाजसेवी गोपाल जायसवाल को अखिल भारतीय जायसवाल (सर्ववर्गीय) महासभा का राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्हें यह नियुक्ति पत्र सौंपते हुए महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकिशोर मोदी ने कहा कि गोपाल जायसवाल को संस्था के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपने का फैसला अखिल भारतीय जायसवाल महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में किया गया। गोपाल जायसवाल ने कहा कि जायसवाल समाज की प्रगति, कल्याण एवं विस्तार के लिए राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद की जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी गई है, उसे निभाने और अपने समाज की कसौटी पर खरा उतरने का मैं पूरा प्रयास करूंगा। महासभा के संरक्षक प्रकाश चौधरी, राष्ट्रीय संरक्षक अशोक जायसवाल के अनुशंसा पर इनकी नियुक्ति की गई है। जायसवाल समाज के सदस्यों ने गोपाल जायसवाल को राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई दी है।

विधिक शिविर में कानूनों व जनकल्याणकारी योजना की दी जानकारी

अलवर (का.सं.)। तालुका विधिक सेवा समिति लक्ष्मणगढ़ अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश एडीजे गोपाल सैनी के निर्देशन पर पंचायत समिति गोविंदगढ़ के जगदंबा कंप्यूटर इंस्टिट्यूट गोविंदगढ़ में महिलाओं और लड़कियों को यौन उत्पीड़न से बचाने, छात्राओं के लिए जागरूकता विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया जिसमें महिला सशक्तिकरण एवं कल्याणकारी योजनाएं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 एवं राजस्थान सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की इंदिरा महिला शक्ति प्रशिक्षण एवं कौशल संवर्धन योजना (आरएस-सीएसईपी) के तहत, महिलाओं और लड़कियों को नि:शुल्क प्रशिक्षण कि जानकारी दी पीएलवी अनिल कुमार ने बताया कि इस योजना का मकसद महिलाओं को आत्मविश्वास बढ़ाने, उनके कौशल को बेहतर बनाने, और उन्हें नौकरी पाने और कारोबार शुरू करने में मदद करना है। महिलाओं को अंग्रेज़ी बोलने और संचार कौशल में सुधार करने में मदद करती है। व उद्यमिता, नेतृत्व, धन प्रबंधन, और व्यक्तिगत विकास जैसे क्षेत्रों में सहायता करती है। महिलाओं को आर्थिक रूप से आज़ाद होने में मदद करती है। इस योजना के तहत महिला बैंच का उद्घाटन पार्षद सुमन मेघवाल द्वारा फीता काट कर किया गया। इस दौरान संस्थान के डायरेक्टर सुरेश सैनी, अनिल कुमार, सुमन मेघवाल, कनिष्क मीणा दयावती, चांदनी आदि विद्यार्थी मौजूद रहे।

सार-समाचार

5 दिवसीय शिव पार्वती विवाह महोत्सव 22 से

अलवर (का.सं.)। एकलिंग महादेव मंदिर का अलवर में 5 दिवसीय शिव पार्वती विवाह महोत्सव 22 से 26 फरवरी तक धूमधाम से मनाया जाएगा। शिव पार्वती परिवार के महंत पुष्कर नारायण त्रिवेदी ने बताया कि 5 दिवसीय शिव पार्वती विवाह महोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत 18 फरवरी मंगलवार को प्रात: 9.15 बजे गणेश गौरी निमंत्रण के साथ होगी. वहीं कार्यक्रम के तहत 22 फरवरी , शनिवार को लग्न सायं 5.15 बजे अट्टा मंदिर के सामने श्री नागेश्वर मंदिर से एकलिंग महादेव मंदिर, मन्नी का बड़, , 23 फरवरी , रविवार को महाआरती एवं कन्या पूजन सायं 7.15 बजे (एकलिंग महादेव मंदिर, मन्नी का बड़,) 24 फरवरी , सोमवार को किन्नर पूजन एवं भोले बाबा का नगर भ्रमण व कंगन डोरे सायं 5.15 बजे ज्योतिराव फुले सर्किल जय अम्बे मैरिज होम मंदिर परिसर से एकलिंग महादेव मंदिर) 25 फरवरी , मंगलवार को हल्दी, मेहंदी एवं भजन संगीत सायं 6.15 बजे (एकलिंग महादेव मंदिर, मन्नी का बड़) एवं 26 फरवरी , बुधवार को जेगड पूजन प्रात: 9.15 बजे नयाबास बीज गोदाम के सामने (रितुश ब्यूटी पार्लर) से एकलिंग महादेव मंदिर तक एवं बारात माता चुन्नी स्वागत सायं 6.15 बजे घंटाघर शिव मंदिर से एकलिंग महोदव मंदिर में किया जाएगा एवं वरमाला महोत्सव रात्रि 9.15 बजे एकलिंग महादेव मंदिर परिसर में किया जाएगा।

उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया बसंत उत्सव पर्व

राजगढ़ (नि.सं.)। खंडेलवाल विकास समिति की ओर से रविवार को बसंत उत्सव पर्व उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर समिति की ओर से प्रमुख बाजारों से निकल गई शोभायात्रा प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही। इससे पूर्व खंडेलवाल धर्मशाला से विकास समिति की ओर से पूजा अर्चना के बाद शोभायात्रा बैंड बाजे के साथ प्रारंभ हुई हुई। झाकियों के साथ निकाली गई। शोभायात्रा में महिलाओं ने भजनों पर रोचक नृत्य कर कार्यक्रम को ऊंचाइयां प्रदान की। शोभायात्रा का प्रमुख मार्गो में भव्य स्वागत किया गया। प्रमुख मार्गो से होकर शोभायात्रा खंडेलवाल धर्मशाला पहुंची। समिति के अध्यक्ष सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि समिति एवं समाज के लोगों की ओर से विशेष पोशाक इस अवसर पर प्रमुख आकर्षण रही। खंडेलवाल धर्मशाला में प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर राम रतन तांबी, प्रेमनाथ धामानी, कमलेश मामोडिया, मनीष खारवाल, दीपक पाबूवाल, आशा तांबी, दीपक कुमार, सुरेश चंद, एवं महिला पुरुष मौजूद रहे।

पवित्र मनन दीप द्वारा ज्ञान यज्ञ का आयोजन

कोटकासिम (नि.सं.)। पवित्र मनन दीप सत्संग सेवा संस्थान कोटकासिम द्वारा भूतेश्वर मंदिर में ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रवचन करते हुए गुरुदेव भास्कर भारद्वाज ने कहा अपने लिए तो सभी जीते हैं ईश्वर का प्यारा और महान व्यक्ति वह होता है जो दूसरों के कल्याण और समाज हित के लिए अपने सुखों का त्याग करके भी कार्य करें। गुरुदेव ने कहा हमारा जीवन अपने परिवार तक सिमट कर रह गया है। जब तक हम देश और समाज के लिए कार्य नहीं करेंगे, दीन दुखियों के लिए अपने सुखों का त्याग करके कार्य नहीं करेंगे जब तक ना हम सूर्य की तरह चमक सकते हैं ना ईश्वर के प्यारे बन सकते हैं। उन्होंने कहा परहित का धर्म बहुत बड़ा होता है इसलिए अपने हृदय में पवित्र भाव रखकर परहित के लिए जीना चाहिए और उन्होंने ध्यान कराकर सबको ध्यान का महत्व बताया और कहां प्रभु भक्ति के बिना जीवन बेकार है। इस दौरान सत्संग परिवार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

नियमित साफ-सफाई नहीं होने से मोहल्ले में गंदगी का अंबार

अलवर (का.सं.)। मोहल्ले की गलियों में जगह-जगह गंदगी का अंबार, नाला जाम व जलजमाव नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर-20 की पहचान बनी हुई है। नियमित साफ-सफाई नहीं होने से गलियों में कचरा पसरा रहता है। वहीं वार्ड नंबर-20 के स्थानीय व्यक्ति ओमप्रकाश मेंहिन्द्रता ने बताया कि मोहल्ले में नियमित साफ-सफाई नहीं होती है। सफाई कर्मीयों द्वारा सफाई के नाम पर महज खानापूर्ति की जाती है। जिसके कारण गंदगी का अंबार लगा रहता है। कचरे की बदबू से घर से निकलना मुश्किल हो गया है। नाली हमेशा जाम रहती है। मच्छरों का प्रकोप भी काफी बढ़ गया है। बीमारी फैलने की आशंका बनी रहती है।

प्रबुद्धजन संगोष्ठी का आयोजन

अलवर (का.सं.)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संपर्क विभाग द्वारा प्रबुद्धजन संगोष्ठी का आयोजन स्वामी विवेकानंद स्मारक भवन में किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष नन्दसिंह नरूका रहे। कार्यक्रम में अलवर शहर के अनेक गणमान्य एवं प्रबुद्धजन ने भाग लिया, जिनमें मातृ शक्ति की भी सहभागिता रही। संगोष्ठी का विषय राष्ट्र के समक्ष चुनौतियां और हमारी भूमिका था। अंत में विभाग संघ चालक डॉ. कृष्ण कुमार गुप्ता ने भी अपना संक्षिप्त उद्बोधन दिया, जिसमें उन्होंने विषय से संबंधित जानकारी साझा की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक-सुशील झालानी के द्वारा डी.बी. कार्प लिमिटेड, दिल्ली रोड, मूंगस्का, अलवर से मुद्रित एवं 19 विकास पथ अलवर से प्रकाशित। **सम्पादक : सुनील बिज्जू (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)**